डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 09.12.2024 से 15.12.2024 ▶ वर्ष-41 ▶ अंक-50 ▶ मूल्य ₹ 10.00

/ संक्षिप्त खबर /

राज्य सरकार का एक वर्ष जनकल्याण पर्व के रूप में मनेगा

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य शासन के । वर्ष पूर्ण होने पर पूरे प्रदेश में 11 से 26 दिसंबर तक "जन कल्याण पर्व" मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी जिलों में महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण सहित विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मंत्रियों की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समितियां बनाई गई हैं। किसानों के लिए गठित समिति का अध्यक्ष किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंसाना को, युवाओं से जुड़ी समिति का अध्यक्ष नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय को, गरीब कल्याण से जुड़ी समिति का अध्यक्ष पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल को और महिलाओं से जुड़ी समिति का अध्यक्ष महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया को बनाया गया है।

रातापानी अभयारण्य टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित होने के बाद प्रदेश बना टाइगर स्टेट

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रातापानी अभयारण्य टाइगर रिजर्व बफर एरिया घोषित होने से मध्यप्रदेश अब वास्तविक रूप में टाइगर स्टेट बन गया है। मध्यप्रदेश के लिये यह बहुत बड़ी सौगात है। केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बाद रातापानी, मध्यप्रदेश का 8वां टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मध्यप्रदेश को हमेशा प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप श्योपुर के कूनो में चीते और उसके बाद रातापानी को टाइगर बफर क्षेत्र का अनुमोदन मिला है।

राष्ट्रपति ने डॉ. संजय शर्मा को किया सम्मानित

नई दिल्ली, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में छतरपुर जिले के डॉ. संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में उन्हें 'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' की श्रेणी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। डॉ. शर्मा विगत 34 वर्षों से बुंदेलखंड क्षेत्र में मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए कार्यरत हैं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री ने पचमढ़ी में महिलाओं द्वारा संचालित पहली होटल "एमपीटी अमलतास" का किया शुभारंभ

होटल अमलतास का संचालन सिर्फ महिलाओं द्वारा किया जाना मध्यप्रदेश का गौरव -मुख्यमंत्री

- सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना में 50 पर्यटन स्थल चयनित।
- 40 हजार महिलाओं को आत्मरक्षा की दी ट्रेनिंग।
- 10 हजार महिलाओं को पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी की स्किल ट्रेनिंग।
- सामाजिक सरोकार की दिशा में दिव्यांगजन को भी मिल रहा प्रशिक्षण।
- भविष्य में सिर्फ दिव्यांग बहनों और बंधुओं द्वारा होटल संचालन की पहल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एमपीटी अमलतास की महिला कर्मचारियों ने स्मृति चिह्न भेंट किया

नर्मदापुरम, होटल अमलतास का संचालन सिर्फ महिलाओं द्वारा किया जाना मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह प्रयास महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में हमारे संकल्प को प्रदर्शित करता है। इस पहल से अन्य राज्य भी प्रेरणा लेंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी में महिलाओं द्वारा संचालित पहली होटल "एमपीटी अमलतास" के शुभारंभ को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति महिला प्रधान संस्कृति है। हमारे नक्षत्र मंडल और सौर मंडल में भी माता को प्रधानता दी गई है। सभी ग्रह पुरुष प्रधान हैं लेकिन वसुंधरा यानि धरती माता प्रधान है। हम धरती को मां मानकर प्रणाम करते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। वैसे ही समाज में भी परिवार की धुरी हमारी माता और बहनें हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में 200 से अधिक देश हैं, लेकिन भारत को मां का स्थान दिया गया है। भारत माता बोलते ही जय का उद्घोष स्वतः ही आ जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी मातृ संस्कृति और परंपरा देवी और देवताओं के स्मरण करने में भी झलकती है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की पहल

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हमारे गौरवशाली प्रदेश को देश में प्रमुख पर्यटन गंतव्य बनाने के उद्देश्य से विभिन्न स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। पर्यटन विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिये होटल अमलतास का पूरा संचालन महिला कर्मचारियों द्वारा किये जाने की पहल की गई है। इसके लिये 23 स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षित कर नियुक्त किया गया है। प्रबंधक, हाउसकीपर, स्वागतकर्ता, किचन स्टाफ, फूड एण्डक ब्रेवरेजस, माली, चौकीदार, शेफ जैसी जिम्मेदारी भी महिलाओं द्वारा ही निभाई जाएगी।

प्रदेश की वन्य जीव संपदा में वृद्धि

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की वन्य जीव संपदा में वृद्धि करने और चीता के पुनर्स्थापन के लिए मध्यप्रदेश को चुनने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कूनो में दो चीतों को जंगल में स्वतंत्र विचरण के लिये छोड़ा गया है। यह चीते नहीं हैं यह हमारा संकल्प और हमारी हिम्मत है। उन्होंने कहा कि भगवान ने मध्यप्रदेश की धरती को सभी प्रकार का यश प्रदान किया है। प्रदेश की धरती सभी संपदाओं से परिपूर्ण है।

वरिष्ठ आईपीएस श्री कैलाश मकवाणा बने पुलिस महानिदेशक

भोपाल, भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष-1988 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री कैलाश मकवाणा ने 02 दिसंबर 2024 को मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। श्री मकवाणा पहले चेयरमेन म.प्र. पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन भोपाल के रूप में पदस्थ थे। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री मकवाणा अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर (एम.टेक.) हैं। उल्लेखनीय पुलिस कार्यों के लिए उन्हें वर्ष 2005 में राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक और वर्ष 2014 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। श्री मकवाणा दंतेवाड़ा, बस्तर, मंदसौर और बैतूल जिले के पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं।

चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा के विस्तार में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल

इंदौर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ भारत में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जा रही है। इसमें आशातीत सफलता भी मिल रही है। देश में एचआईवी, एड्स नियंत्रण के लिये संकल्पबद्ध होकर तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। इसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। एचआईवी, एड्स प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा की जा रही है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। यह बात केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने इंदौर में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2017 से एचआईवी, एड्स नियंत्रण के लिये तेजी से प्रयास शुरू किये गये हैं। एचआईवी, एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी लाने और मृत्यु की संख्या को कम करने के लिये सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किये हैं।

एड्स प्रभावितों का निःशुल्क इलाज

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि एचआईवी, एड्स प्रभावित व्यक्तियों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं, इलाज, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में नयी पहचान कायम की है।

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का प्रभावी क्रियान्वयन

भोपाल, प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का प्रभावी क्रियान्वयन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसके लिये लोक शिक्षण आयुक्त की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की 13 समितियाँ गठित की गयी हैं। यह समितियाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न ग्रुप एवं क्षेत्रों से संबंधित हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के बेहतर क्रियान्वयन के लिये स्कूल शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पदेन सदस्य हैं। टॉस्क फोर्स में शासकीय एवं अशासकीय शिक्षाविदों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

स्टार्ट-अप और वोकल-फॉर-लोकल के भाव से अर्थव्यवस्था हुई इंग्लैंड से आगे

बालाघाट, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी स्टार्ट-अप, मेक-इन-इंडिया और वोकल-फॉर-लोकल के प्रेरणादायक आह्वान ने देश में उद्यमिता के पुनर्जागरण की अलख जगाई है। भारत आज इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट में आयोजित स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेला का अर्थ मेलजोल है और इसमें व्यापार के साथ ही सांस्कृतिक मेलजोल को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले का प्रारंभ वर्ष 1999 से निरंतर विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। मुम्बई से प्रारंभ स्वदेशी मेले में स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय से छोटे-बड़े उद्योगों को बल मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल मेला ही नहीं स्वदेशी मेले के रूप में मिनी इंडिया का स्वरूप देखने को मिल रहा है।

अंग्रेजों ने हमारी स्वदेशी ताकत को कमजोर किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले हमारा देश सोने की चिड़िया हुआ करता था, हम दुनिया की शीर्षस्थ अर्थव्यवस्था थे और हमारे उद्योग, मसाले, रेशम और मलमल जैसे चमत्कारी वस्त्र दुनिया भर में मशहूर थे। अंग्रेजों ने हमारी इसी स्वदेशी ताकत को कमजोर बना दिया।

इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से आगे बढ़ रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के कंसेप्ट को आगे बढ़ाने में हमें प्रधानमंत्री का प्रोत्साहन भी मिला है। हमारे प्रयास सफल रहे, हमने सागर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में भी सफलतापूर्वक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया। नर्मदापुरम में इंडस्ट्री के लिए पूर्व में आरक्षित 250 हेक्टेयर भूमि को बढ़ाकर 500 हेक्टेयर कर दिया गया है। इसे हम 750 हेक्टेयर तक बढ़ायेंगे।

30 नवम्बर

अब तीन वर्ष से पहले ग्रेजुएट बन सकेंगे युवक

● अब ग्रेजुएट बनने के लिए विद्यार्थियों को तीन वर्ष की पढ़ाई करना अनिवार्य

नहीं होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने शॉर्ट टर्म कोर्स की गाइडलाइन जारी की है। इसमें छात्र-छात्राएं दो से ढाई वर्ष में भी डिग्री पूरी कर सकेंगी। ये कोर्स उद्यमिता, तकनीकी पर होंगे। इनमें अतिरिक्त क्रेडिट से विद्यार्थी स्नातक डिग्री तीन वर्ष से पहले ही पूरी कर सकेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार छात्र अगर दो वर्ष में क्रेडिट स्कोर पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें डिग्री के लिए तीन या पाँच वर्ष इंतजार नहीं करना होगा। बता दें कि स्नातक के लिए छात्र को 160 क्रेडिट हासिल करना होता है।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार एक्सिओम-4 मिशन के दो गगनयात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और कैप्टन श्री प्रशांत बालकृष्णन नायर ने अमेरिका में प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा कर लिया है। यह मिशन निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस और अंतरिक्ष एजेंसी नासा के बीच सहयोग का हिस्सा है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री अप्रैल, 2025 में स्पेस-एक्स के अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष में रवाना होंगे। इसरो के गगनयान मिशन के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उल्लेखनीय है कि गगनयान मिशन का उद्देश्य तीन सदस्यीय चालक दल को पृथ्वी की निचली कक्षा में 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर भेजना है।

● भारतीय तटरक्षक बल के दो दिवसीय राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास, सारेक्स का 11वां संस्करण कोच्चि में सफलतापूर्वक हुआ। इस अभ्यास का उद्घाटन रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने किया और तटरक्षक बल के महानिदेशक श्री एस. परमेश ने इसकी समीक्षा की। अभ्यास में राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव बोर्ड के सदस्यों तथा मित्र देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 38 प्रतिष्ठित विदेशी पर्यवेक्षकों ने भी भाग लिया। सारेक्स का विषय 'क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना' था। इसमें समुद्री सुरक्षा को मजबूत बनाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। दो दिन के अभ्यास के दौरान कई तरह की गतिविधियां जैसे टेबल-टॉप अभ्यास और कार्यशालाएं आयोजित की गयी।

1 दिसम्बर

ईपीएफओ ऑटोमेटेड चैनल से क्लेम सेटलमेंट की सीमा अब हुई एक लाख

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्य अब ऑटोमेटेड

EPFO
Employees Provident Fund Organisation

चैनल से एक लाख रुपये तक का क्लेम ले सकते हैं। पूर्व में यह राशि 50 हजार रुपये थी। इससे कर्मचारी यह रकम शादी, पढ़ाई और घर बनाने के लिए निकाल सकेंगे। यह निर्णय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 236वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने की। इसमें फैसला हुआ कि अब क्लेम सेटलमेंट जिस दिन होगा, ब्याज की गणना भी उसी दिन से होगी। अभी माह की 24 तारीख तक सेटल हुए क्लेम पर पिछले माह की 30 तारीख तक का ब्याज मिलता था।

● सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया है। विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम और उसके सहयोगी संगठनों ने आठ वर्ष बाद अलेप्पो पर हमला किया। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद से जुड़े प्रतीकों को विद्रोहियों ने तबाह कर दिया। ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) के अनुसार, सीरिया में विद्रोही बलों ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है। इसी बीच, सीरियाई और रूसी विमानों ने इदलिब के निकट 23 हवाई हमले किए। आक्रमण शुरू होने के बाद से 300 से अधिक लोग मारे गए, इनमें 20 से ज्यादा सीरीया के नागरिक भी शामिल हैं।

2 दिसम्बर

रूस ने रक्षा बजट में की वृद्धि

● रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रक्षा बजट में बढ़ोतरी को मंजूरी देते हुए वर्ष

2025 के लिए 126 बिलियन डॉलर का आवंटन किया। यह रूस के राष्ट्रीय बजट का 32.5 प्रतिशत है। इस कदम का उद्देश्य यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में अपनी स्थिति को और मजबूत करना है। रूसी संसद के दोनों सदनों स्टेट डूमा और फेडरेशन काउंसिल ने इस बजट को पहले ही मंजूरी दे दी थी।

● नवम्बर महीने में जीएसटी संग्रह 1,82,269 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष 1.68 लाख करोड़ रुपये के कर संग्रह के मुकाबले 8.5 प्रतिशत ज्यादा है। वित्त मंत्रालय अनुसार केंद्रीय जीएसटी 34,141 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी की राशि 43,047 करोड़ रुपये, इंटीग्रेटेड आइजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये, अधिभार 13,252 करोड़ रुपये रही है। अप्रैल से नवंबर, 2024 तक जीएसटी संग्रह 14,56,711 करोड़ रुपये रहा।

3 दिसम्बर

सीबीएसई विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में ला सकती है दो स्तर

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों

के लिए गणित (बेसिक और एडवांस) के दो स्तर पेश करने के बाद शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की समान संरचना की योजना तैयार कर रहा है। सीबीएसई की पाठ्यक्रम समिति ने इन विषयों को दो स्तरों पर पेश करने का निर्णय लिया। इस निर्णय को बोर्ड की शासी निकाय से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। नौवीं और दसवीं के लिए दो स्तरों पर विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पेशकश का उद्देश्य विद्यार्थियों को 11वीं में इन विषयों को लेने से पहले उनत स्तर पर इनका अध्ययन करने की अनुमति देना है।

● भारत ने अब तक की सबसे सटीक एंटीबायोटिक दवा विकसित करने में सफलता हासिल की। नेफिथ्रोमाइसिन नामक यह दवा मरीजों को घातक बैक्टीरियल संक्रमण से बचाने में असरकारक होगी। बैक्टीरियल निमोनिया से पीड़ितों के लिए यह बहुत असरदार साबित होगी। यह अब तक इस्तेमाल की जाने वाली एजिथ्रोमाइसिन की तुलना में आठ से दस गुना असरदार होगी और पीड़ित को ठीक करने में कम वक्त लेगी। इसे मुंबई स्थित वाकहार्ट लिमिटेड ने केंद्र सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के तहत जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के सहयोग से विकसित किया है।

● पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश में करीब 92 हजार पेटेंट आवेदन दाखिल हुए। पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क के महानियंत्रक श्री उनत पंडित के अनुसार, यह तकनीकी और वैज्ञानिक विकास के केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती परिपक्वता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी (आइपी) से जुड़े दिशा-निर्देशों को नया रूप दिया जा रहा है। हम बौद्धिक संपदा दिशा-निर्देशों में सुधार कर रहे हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में आईपी के संरक्षण के लिए बनाए गए थे। श्री पंडित ने यह भी का कहा कि हम कुशल आईपी आवेदन दाखिल प्रक्रिया की दिशा में काम कर रहे हैं। स्वीकृत पेटेंट में यह तीव्र वृद्धि आवेदनों को संसाधित करने और आईपी अधिकार प्रदान करने में भारत के पेटेंट कार्यालय की दक्षता को रेखांकित करती है।

4 दिसम्बर

अब चार नॉमिनी जोड़ सकेंगे खाताधारक

● केन्द्र सरकार ने बैंक खाते में नॉमिनी बनाने के नियम में बड़ा बदलाव किया है। लोकसभा में पारित बैंकिंग कानून विधेयक में बैंक अकाउंट होल्डर को खाते में चार नॉमिनी बनाने की अनुमति दी गई है। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए इस विधेयक को संसद ने मंजूरी दे दी है। वहीं लॉकर सुविधा लेने वाले ग्राहकों

के पास केवल क्रमिक नामांकन का ही विकल्प होगा। यानी वो एक के बाद एक सिलसिलेवार तरीके से नॉमिनी बना पाएंगे। श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बताया कि वर्ष 2014 से सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बैंकों को स्थिर बनाए रखने के लिए बेहद सतर्क रहे हैं। हमारा उद्देश्य हमारे बैंकों को सुरक्षित, स्थिर और स्वस्थ रखना है।

● जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के वैज्ञानिकों को मलेरिया और कोविड-19 के उपचार की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। वैज्ञानिकों ने मानव प्रोटीन एचएसपी-70 का एक छोटा अवरोध अणु तैयार किया है। यह मलेरिया और कोविड के संक्रमण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इंटरनेशनल जर्नल फॉर बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स में प्रकाशित शोध के मुताबिक एचएसपी-70 प्रोटीन कोरोना के लिए जिम्मेदार स्पाइक प्रोटीन के साथ मिलकर कोशिकाओं को संक्रमित करता है। शोध में पाया गया कि बुखार के दौरान एचएसपी-70 बढ़ जाता है। ऐसे में वायरस के लिए कोशिकाओं को संक्रमित करना आसान हो जाता है। नए शोध के बाद संक्रमण पर काबू पाया जा सकेगा।

5 दिसम्बर

पृथ्वी से टकराने आया एस्टेरॉयड हुआ रूस में क्रैश

● एक एस्टेरॉयड को तेजी से पृथ्वी की ओर बढ़ते हुए देखा गया था। यह घटना रूस के याकुतिया क्षेत्र में हुई, जहां एक 70 सेंटीमीटर आकार का एस्टेरॉयड पृथ्वी की सतह से टकरा गया। एस्टेरॉयड का यह बड़ा टकराव केवल 12 घंटे पहले ही वैज्ञानिकों के रडार पर आया था। जब इस एस्टेरॉयड ने पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश किया, तो यह कई छोटे टुकड़ों में टूटकर फैल गया। इसके परिणामस्वरूप, छोटे पत्थरों के रूप में ये टुकड़े जंगली इलाकों में बिखर गए। एस्टेरॉयड से किसी भी तरह की जनहानि या क्षति नहीं हुई।

● फ्रांस के प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। वह तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने थे। देर रात हुई वोटिंग में 331 सांसदों ने लेफ्ट पार्टियों द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के लिए 288 सांसदों की जरूरत थी। वहीं, विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बार्नियर ने बजट को पारित करने के लिए सामान्य संसदीय प्रक्रियाओं को दरकिनार किया। उल्लेखनीय है कि बार्नियर की सरकार फ्रांस के आधुनिक इतिहास में सबसे कम समय तक चलने वाली सरकार रही। अब राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति करनी होगी।

6 दिसम्बर

अब आर्ट्स से 12वीं पास भी विज्ञान विषयों से कर सकेंगे स्नातक

● किसी भी विषय या फिर स्ट्रीम से 12वीं पास करने वाले छात्र अब पसंद के किसी भी विषय से स्नातक कर सकेंगे। यानी आर्ट्स या कॉमर्स विषयों में 12वीं करने वाले छात्र अपनी स्नातक की पढ़ाई विज्ञान विषयों के साथ कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें स्नातक स्तर पर उन विषयों या कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा को या फिर विश्वविद्यालय से जुड़ी प्रवेश परीक्षा की पात्रता को उत्तीर्ण करना होगा। इसी तरह किसी भी विषय से स्नातक करने वाले अब पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई भी किसी भी विषय से कर सकते हैं।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी

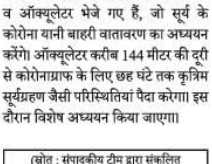

(ईएसए) के सूर्य मिशन प्रोबा-3 को रॉकेट पीएसएलवी सी-59 से प्रक्षेपित कर पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया। पीएसएलवी सी-59 ने श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी। प्रोबा-3 को 60,530 किलोमीटर गुणा 600 किलोमीटर की अंडाकार कक्षा में स्थापित किया गया। रॉकेट से दो उपग्रह कोरोनाग्राफ़ व ऑक्यूलेटर भेजे गए हैं, जो सूर्य के कोरोना यानी बाहरी वातावरण का अध्ययन करेंगे। ऑक्यूलेटर करीब 144 मीटर की दूरी से कोरोनाग्राफ के लिए छह घंटे तक कृत्रिम सूर्यग्रहण जैसी परिस्थितियां पैदा करेगा। इस दौरान विशेष अध्ययन किया जाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

APPOINTMENTS

Applications are invited from the eligible candidates for the post of Principal, Professor, Associate Professor and Assistant Professor in Engineering & Technology (CS, CE, ME, EC), Computer Sc. & Applications, Management, Pharmacy, Law, Physics, Chemistry, Mathematics, English, Commerce, Biotechnology, Economics, History, Political Science, Psychology, Sociology, Microbiology, Statistics, Journalism & Mass Communication, Operation Research, Business Communication, Senior Psychologist for AcroCare (Department of Mental Wellness), Graphic Designer & Software Developer.

Interested candidates can send their resume on hr@acropolis.in within 15 days of advertisement.
Qualifications, experience and salary as per AICTE/UGC/BCI/PCI norms.
Faculty selection will be carried out under college code 28 and 30 of DAVV & RGPV respectively.

Acropolis Institute of Technology & Research
Acropolis Institute of Management Studies & Research
Acropolis Faculty of Management & Research
Acropolis Institute of Pharmaceutical Education & Research
Acropolis Institute of Law

ACROPOLIS
Enlightening Wisdom

Indore Bypass Road, Manglia Square, Near Toll Plaza, Indore (M.P.)
Ph. 0731-4730000/01

PARAS

R-50325/2024

वर्ष 41, अंक 50 09.12.2024 से 15.12.2024

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुधाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के प्रथम चरण में मालवा क्षेत्र के कार्य पूर्ण करने का निर्णय

मध्यप्रदेश में पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के मालवा क्षेत्र के परियोजना घटकों का कार्य प्रथम चरण में ही किया जाएगा। इससे मालवा क्षेत्र को सिंचाई, पेयजल एवं औद्योगिक प्रयोजन के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो पाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयास और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से प्रदेश के चंबल और मालवा क्षेत्र के लाखों किसानों का जीवन बदलेगा। उन्हें न केवल सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा, बल्कि संबंधित क्षेत्र में पर्यटन और उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की 17 परियोजनाएं एवं राजस्थान की पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना शामिल है। परियोजना की कुल लागत 72 हजार करोड़ रुपये प्रस्तावित है। इस परियोजना के क्रियानवयन से मध्यप्रदेश के लगभग 6.11 लाख हेक्टेयर नवीन क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल तथा उद्योगों के लिए लगभग 172 मि.घ.मी. जल का प्रावधान किया गया है। परियोजना से लगभग 40 लाख परिवार लाभांवित होंगे।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना में मध्यप्रदेश से प्रारम्भ होने वाली पार्वती, कूनो, कालीसिंध, चंबल, क्षिप्रा एवं सहायक नदियों के जल का अधिकतम उपयोग किया जायेगा। मध्यप्रदेश में निर्मित होने वाली परियोजनाओं की कुल लागत 35 हजार करोड़ रुपये प्रस्तावित है। परियोजना के अंतर्गत श्रीमंत माधवराव सिंधिया सिंचाई कॉम्प्लेक्स में 04 बांध (कटीला, सोनपुर, पावा एवं धनवाड़ी), 02 बैराज (श्यामपुर, नैनागढ़), कुम्भराज कॉम्प्लेक्स में 02 बांध (कुम्भराज-1 एवं कुम्भराज-2) तथा रणजीत सागर, लखुंदर बैराज एवं ऊपरी चम्बल कछार में 07 बांध (सोनचिरी, रामवासा, बचेरा, पदुनिया, सेवरखेड़ी, चितावद तथा सीकरी सुल्तानपुरा) शामिल हैं। इसके अलावा गांधी सागर बांध की अप-स्ट्रीम में चंबल, क्षिप्रा और गंभीर नदियों पर छोटे-छोटे बांधों का निर्माण भी प्रस्तावित है। इस परियोजना से मुख्य रूप से राज्य के कुल 13 जिलों मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, भिंड, श्योपुर, इंदौर, उज्जैन, धार, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास तथा राजगढ़ को सिंचाई, पेयजल, मत्स्य पालन एवं औद्योगिक प्रयोजन के लिए पानी की आपूर्ति की जाएगी। राज्य शासन की यह एक बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। केन्द्र सरकार के सहयोग से बनने वाली इस परियोजना का कार्य आगामी 5 वर्ष में पूर्ण कर लिया जाएगा। परियोजना अंतर्गत कुल 21 बांध, बैराज एवं बैलैसिंग रिजर्वायर आदि का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही परियोजना में मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के मध्य मौजूदा चंबल दार्यी मुख्य नहर एवं मध्यप्रदेश क्षेत्र में सिस्टम के अंतिम छोर तक नवीकरण एवं आधुनिकीकरण हेतु प्रावधान रखा गया है, जिससे मध्यप्रदेश के श्योपुर, मुरैना, भिण्ड जिलों को सिंचाई एवं पेयजल के लिये आवंटित जल प्राप्त हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री और दोनों राज्यों के अपर मुख्य सचिव एवं सचिव की उपस्थिति में दिनांक 28 जनवरी 2024 को परियोजना की डी.पी.आर. तैयार करने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की श्रीमंत माधवराव सिंधिया सिंचाई कॉम्प्लेक्स की 06 परियोजनाओं की डीपीआर तैयार कर राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, भारत सरकार को प्रेषित की जा चुकी है। शेष परियोजनाओं की डीपीआर विभिन्न स्तरों पर प्रक्रियाधीन है। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना सह पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का भारत सरकार से प्राप्त ड्राफ्ट समझौता अनुबंध को मध्यप्रदेश शासन द्वारा संशोधन उपरांत भारत सरकार को 25 अक्टूबर, 2024 को प्रेषित कर दिया गया है।

पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा कर रहे 14 हजार से अधिक उपग्रहों में से 3500 मिले निष्क्रिय अवस्था में

सड़कों पर जाम और सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर देश ही नहीं विदेशों में भी अलग-अलग कठिनाइयां सामने आती हैं। हर देश इस परेशानी से मुक्त होने के लिये निरंतर कार्य कर रहे हैं। यातायात जाम की ऐसी ही स्थिति अब अंतरिक्ष में भी दिखाई पड़ रही है। यही कारण है कि अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने वहां बढ़ रहे जाम को देखते हुए चिंता व्यक्त की है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार पृथ्वी की निचली कक्षा में हजारों की संख्या में विभिन्न देशों के उपग्रह चक्कर लगा रहे हैं, साथ ही करोड़ों की संख्या में उपग्रहों का मलबा लगातार घूम रहा है, जिससे अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। अंतरिक्ष विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए इस समस्या के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की अपील की है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर जल्द ही पृथ्वी की कक्षा में उपग्रहों की बढ़ती संख्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह अहम क्षेत्र अनुपयोगी हो सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार वर्तमान में 14 हजार से ज्यादा विभिन्न उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा कर रहे हैं जिनमें से करीब 3500 निष्क्रिय हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किये गये शोध के अनुसार पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों के मलबे के 12 करोड़ टुकड़े चक्कर लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के अंतरिक्ष यातायात समन्वय पैनल ने एलईओ का व्यापक डेटाबेस तैयार करने की आवश्यकता को महत्वपूर्ण बताया है। पैनल की सह-अध्यक्ष और बाहरी अंतरिक्ष मामलों की निदेशक आरती होला मैनी के अनुसार वैश्विक संचार, नेविगेशन सिस्टम और वैज्ञानिक रिसर्च के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा की सुरक्षा करना बेहद जरूरी है। उपग्रहों के टकराव को रोकने के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली स्थापित करना आवश्यक है। इस कार्य को करने के लिये कुछ देश डेटा साझा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन ज्यादातर देश सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण डेटा साझा करने से बचते नजर आ रहे हैं। पृथ्वी की परिक्रमा कर रही कई सैटेलाइट आम लोगों के लाभ के साथ ही सैन्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लॉन्च की गई है और इस वजह से ही सैटेलाइट्स का डेटा साझा करने के लिए कई देश तैयार नहीं हैं।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश सरकार के एक और प्रयास को सफलता

रातापानी बना मध्यप्रदेश का आठवां बाघ अभयारण्य

मध्यप्रदेश को विकसित प्रांतों में अग्रणी बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे डॉ. मोहन यादव के प्रयासों को एक और बड़ी सफलता मिली। अब मध्यप्रदेश के रातापानी अभयारण्य को भी 'टाइगर रिज़र्व' का दर्जा मिल गया है। यह मध्यप्रदेश का आठवां अभयारण्य है। जिसे टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है।

मध्यप्रदेश की वर्तमान सरकार 'विरासत के साथ विकास' मंत्र के साथ काम कर रही है। अर्थात हम विकास तो करें, लेकिन अपनी विरासतों को भी सहेजकर। इसी दिशा में भगवान श्रीकृष्ण पाथेय, उज्जैन महाकुंभ की तैयारी, पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास के काम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के अन्य अधिकारियों से भेंट की और अब मध्यप्रदेश के रातापानी अभयारण्य को 'टाइगर रिज़र्व' के रूप में दर्जा मिला। यह मध्यप्रदेश का आठवां बाघ अभयारण्य बन गया है। मध्यप्रदेश की धरती आकर्षक शैल, शिखर, वन पर्वत और जीवों की विशिष्टता के लिये पहचानी जाती है। विन्ध्याचल, सतपुड़ा और अरावली पर्वत से घिरा यह भू-भाग संसार के प्राचीनतम भू-भागों में एक है। इसीलिये संसार के विभिन्न पशु-पक्षियों को यह धरती आकर्षित करती है। बसंत ऋतु में कितने ही विदेशी पक्षी यहां पर्यटन के लिये आते हैं। देश के हृदयप्रांत माने जाने वाले मध्यप्रदेश को 'टाइगर स्टेट' का दर्जा तो पहले ही मिला हुआ था। अब राष्ट्रीय स्तर के बाघ अभयारण्य में एक और वृद्धि हो गई है। सरकार द्वारा दो दिसम्बर को रातापानी वन्य जीव अभयारण्य को 'टाइगर रिज़र्व' घोषित करने की अधिसूचना जारी की गई।

रातापानी अभयारण्य मध्यप्रदेश के रायसेन और सीहोर जिलों के अंतर्गत स्थित है। इसी के समीप व्यस्ततम रेल मार्ग गुजरता है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से इसकी दूरी करीब 45 किलोमीटर है। यहां पहुंचने के लिये सबसे सरल मार्ग भोपाल से या नर्मदापुरम से है। जबकि जबलपुर, सागर या विदिशा से भी पहुंचा जा सकता है। प्राकृतिक दृष्टि से रातापानी अभयारण्य विंध्याचल पर्वत श्रृंखला के अंतर्गत विशाल वनक्षेत्र है। विंध्याचल पर्वत संसार के प्राचीनतम पर्वतों में से एक है। सृष्टि की इस प्राचीनतम पर्वत श्रृंखला के आंचल में उभरे इस प्राकृतिक अभयारण्य की एक सीमा सदानीरा नर्मदा नदी के किनारों को बहुत लंबी दूरी तक छूती है और एक सीमा कोलार नदी के किनारों से संरक्षित है। प्राकृतिक झरने, घुमावदार पहाड़ी नदियां, छोटी-छोटी झीलें, उतार चढ़ाव से भरी प्राकृतिक घाटियां इस संपूर्ण परिक्षेत्र की विशेषता हैं। इसकी प्राकृतिक रचना कुछ ऐसी है जिससे जलचर, नभचर अथवा पृथ्वी पर विचरण करने वाले प्रत्येक प्राणी को न केवल आकर्षित करती है अपितु उनके जीवन का संचालन भी करती है। यह क्षेत्र वनस्पति और वृक्षों की विविधता के लिये भी प्रसिद्ध है। देशभर के विश्वविद्यालयों से वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थी यहां शोध के लिये आते हैं।

अपनी विभिन्न प्राकृतिक विशेषताओं के साथ यह क्षेत्र अपने भीतर अनेक ऐतिहासिक और प्रागैतिहासिक स्मृतियां भी संजोये हुए है। इस क्षेत्र के समीप वर्षों पुरानी मानव सभ्यता के चिह्न भी खोजे गए हैं। जबकि मानव सभ्यता के पाषाण चित्र भी देखे गये हैं। विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों के शोधकर्ता यहां आ चुके हैं। ऐतिहासिक धरोहरों में मौर्यकाल, गुप्तकाल और परमार कालीन सभ्यता के चिह्न भी हैं। अतीत की ये सब स्मृतियां और प्राकृतिक गुफाएं भी पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। इस अभयारण्य के समीप भीमबैठका शैलाश्रय और नर्मदा घाटों के ऐतिहासिक दर्शनीय स्थल भी हैं। यह परिक्षेत्र बिनेका में केरबना, दाहोद में बेतवा नदी उद्गम स्थल, कैरी महादेव, रणभैंसा चितोरी, इमलाना, देलाबाड़ी स्थित देलावन, गिन्नीरगढ़ किला, बड़ी आमखोह आदि से भी आकर्षक स्थल बना है।

इस अभयारण्य में लुप्तप्राय प्रजाति 'चिंकारा' भी पाई जाती है। चारों ओर वन्य मोहकता से घिरा रातापानी जलाशय है, इसी जलाशय के नाम पर इसका नाम 'रातापानी अभयारण्य' पड़ा। विश्व प्रसिद्ध सागौन के वृक्षों के अतिरिक्त साल, बांस तेंदु, महुआ सहित अनेक औषधि वनस्पति भी इस परिक्षेत्र की विशेषता है।

इस अभयारण्य को 1976 में पहली बार अधिसूचित किया गया था और 1983 में विस्तार हुआ। वर्ष 2008 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने इसे बाघ अभयारण्य बनाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। वर्ष 2012 में वन विभाग ने इस अभयारण्य को टाइगर रिज़र्व घोषित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की और स्वीकृति के लिये मध्यप्रदेश सरकार को भेजा था। यहां 40 से अधिक बाघ, शावक और तेंदुए, मेमल्स की 30 प्रजातियां पाई जाती हैं। छोटे जीवों में गिलहरी, नेवला, गेरबिल, साही, खरगोश, सरीसृपों की प्रजातियों में छिपकलियां, गिरगिट, सांप आदि सांपों की प्रजातियों में, कोबरा, अजगर, वाइपर, कैरत आदि भी बड़ी संख्या में हैं। यहां पक्षियों की 150 से अधिक प्रजातियां हैं। इनमें कॉमन बैबलर, क्रिमसन-ब्रेस्टेड बारबेट, बुलबुल, बी-ईटर, बया, कोयल, किंगफिशर, चील, लार्क, बंगाल गिद्ध, सनबर्ड, सफेद वैगटेल, कौआ, तीतर, जंगली कौआ, बगुला, मैना, जंगली मुर्गी, तोता, हुपु, बटेर, कठफोड़वा, नीलकंठ, कबूतर, काला ड्रोंगो, फ्लाईकैचर, फूल चोंच और रॉक कबूतर आदि शामिल हैं। इस अभयारण्य के जल स्रोतों में मछलियों की 14 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में लकड़बग्घे, सियार, जंगली कुत्ते और लोमड़ी भी पाई जाती हैं। शाकाहारी जीवों में नीलगाय, हिरण, सांभर, चिंकारा और बंदर भी बड़ी संख्या में हैं। अभयारण्य में सुस्त भालू भी हैं। मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी समझी जाने वाली नर्मदा नदी मगरमच्छों के लिये जानी जाती हैं। बरसात में इस अभयारण्य की अनेक जलधाराएं नर्मदा से मिलती हैं। जिससे इस अभयारण्य के जलाशयों में मगरमच्छ भी देखे जाते हैं। मगरमच्छ के लिये रातापानी जलाशय एक स्थाई निवास है। बरसात के बाद विशेषकर बसंत ऋतु में विश्व के अनेक पक्षियों की पसंद का पर्यटन स्थल भी है यह अभयारण्य। इन पक्षियों को अभयारण्य के विभिन्न जलाशयों में देखा जा सकता है। प्राणी विशेषज्ञों के अनुसार एक बाघ को अपने भ्रमण के लिये 50 से 60 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की आवश्यकता होती है। बाघों की संख्या और अभयारण्य के क्षेत्रफल की दृष्टि से रातापानी अभयारण्य में बाघों को अपने भ्रमण के लिये पर्याप्त क्षेत्र मिल जाता है। यदि बाघ को उसकी इच्छा के अनुरूप क्षेत्रफल मिल जाये तो वह दूसरे बाघ के क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करता।

रातापानी अभयारण्य को राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य का दर्जा मिलने के बाद वन विभाग यहां सफारी पाइंट 2 से बढ़ाकर 5 करने जा रहा है। अभी रातापानी में झिरी बेहड़ा और गिन्नीरी गेट से टाइगर सफारी होती है। लेकिन अब जल्द ही नर्मदापुरम रोड पर बरखेड़ा गेट, रेहटी मार्ग पर करमई गेट और जबलपुर रोड पर स्थित घोड़ापछाड़ गेट से भी टाइगर सफारी शुरू करने की तैयारी है। रातापानी टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में मौजूद विश्व विरासत स्थल भीमबैठका में पर्यटन गतिविधियां पहले की तरह ही जारी रहेंगी। इससे रोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे। रातापानी राष्ट्रीय बाघ अभयारण्य में अब सुरक्षा श्रमिकों और टूरिस्ट गाइड की संख्या भी बढ़ेगी। वहीं सुरक्षा के लिए सुरक्षा श्रमिक और गश्ती चौकीदारों की नियुक्ति होगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोज़गार के अवसर सृजित होंगे।

मध्यप्रदेश के रातापानी वन्य जीव अभयारण्य को टाइगर रिज़र्व का दर्जा देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रातापानी सैंचुरी टाइगर रिज़र्व बफर एरिया घोषित होने से मध्यप्रदेश अब वास्तविक रूप में टाइगर स्टेट बन गया है। यह मध्यप्रदेश के लिये बड़ी सौगात है। केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बाद रातापानी, मध्यप्रदेश का 8वां टाइगर रिज़र्व क्षेत्र घोषित हो गया है। इसके लिये डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष आभार माना है और कहा है कि प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के हितों और विशेषकर वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सदैव प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप श्योपुर के कूनो में चीते और अब रातापानी को टाइगर बफर क्षेत्र का अनुमोदन मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रातापानी सैंचुरी टाइगर रिज़र्व बफर जोन की विशेष बात यह है कि यह देश का एकमात्र ऐसा टाइगर रिज़र्व है जो प्रदेश की राजधानी भोपाल के समीप है। इससे यह माना जा सकता है कि राजधानी इस अभयारण्य का हिस्सा है। इस अभयारण्य परिक्षेत्र में रायसेन, भोपाल और सीहोर जिले का क्षेत्र भी आएगा। यहां लगभग 90 से ज्यादा बाघ और अन्य वन्य जीव भी हैं। उन्होंने कहा कि रातापानी को टाइगर रिज़र्व घोषित करने से पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे रातापानी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी तथा राजधानी भोपाल की पहचान टाइगर कैपिटल के रूप में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीणों के वर्तमान अधिकार में कोई परिवर्तन नहीं होगा बल्कि स्थानीय ग्रामीणों को पर्यटन रोज़गार के नये अवसर मिलेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से लाभ भी मिलेगा।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

भारतीय नौसेना

10+2 (बी.टेक) कैडेट प्रवेश योजना (स्थायी कमीशन)
पाठ्यक्रम का प्रारम्भ - जुलाई 2025

प्रारम्भ होने की तिथि : 06 दिसंबर, 2024 **ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 20 दिसंबर, 2024**

1. प्रतिष्ठित भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला में चार वर्षीय बी.टेक कोर्स करने के बाद 10+2 बी.टेक कैडेट एंट्री स्कीम के तहत कार्यकारी और तकनीकी शाखाओं में स्थायी कमीशन अधिकारी बनने के लिए अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवारों (भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीयता की शर्तों को पूरा करने वाले) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

2. **रिक्तियां और आयु:** पाठ्यक्रम के लिए आयु पात्रता और रिक्तियां निम्नानुसार हैं:-

शाखा	रिक्ति	लिंग	आयु
कार्यकारी और तकनीकी शाखा*	36	पुरुष और महिलाएं (महिलाओं के लिए अधिकतम 07 रिक्तियां)	जिनका जन्म 02 जनवरी, 2006 और 01 जुलाई, 2008 (दोनों तिथियां शामिल) के बीच हुआ हो.

(* शाखा आवंटन, यानी कार्यकारी और तकनीकी (इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल) भारतीय नौसेना अकादमी में किया जाएगा.)

नोट (01). (ए) एक उम्मीदवार द्वारा केवल एक आवेदन भरा जाना है.

(बी) पैरा-2 में दर्शाई गई रिक्तियां अनंतिम हैं और प्रशिक्षण स्लॉट की उपलब्धता के आधार पर बदली जा सकती हैं.

पात्रता शर्तें :

3. **शैक्षिक योग्यता:** भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (पीसीएम) में कम से कम 70% कुल अंकों और अंग्रेजी में कम से कम 50% अंकों के साथ किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड से वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा (10+2 पैटर्न) या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण (या तो कक्षा X या कक्षा XII में).

4. **कौन आवेदन कर सकता है:** उम्मीदवार, जो ज्वाइंट एन्ट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई-मुख्य) - 2024 परीक्षा (बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बी. ई.)/ बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी. टेक.) के लिए) के लिए उपस्थित हुए हैं, को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के लिए कॉल अप नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा प्रकाशित ज्वाइंट एन्ट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई-मुख्य) अखिल भारतीय सामान्य रैंक सूची (सीआरएल) -2024 के आधार पर जारी किया जाएगा.

5. **चिकित्सा मानक/ऊंचाई और वजन में छूट/टैदू:** एसएसबी द्वारा अनुशंसित सभी उम्मीदवारों को 10+2 (बी.टेक) प्रवेश के लिए लागू चिकित्सा परीक्षा से गुजरना आवश्यक है. चिकित्सा मानकों के लिए दिशानिर्देश भारतीय नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध है. किसी भी आधार पर चिकित्सा मानकों में कोई छूट नहीं है. किसी भी परिस्थिति में चिकित्सा अस्पताल/केंद्र में बदलाव की अनुमति नहीं है.

6. **चयन प्रक्रिया :**

(क) नौसेना मुख्यालय ज्वाइंट एन्ट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई-मुख्य) ऑल इंडिया **कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल)-2024** के आधार पर सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के लिए आवेदनों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए कटऑफ तय करने का अधिकार सुरक्षित रखता है. सभी उम्मीदवारों को आवेदन में कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) के अनुसार अपनी रैंक भरनी होगी. शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) साक्षात्कार **मार्च 2025** से बेंगलुरु/भोपाल/कोलकाता/विशाखापत्तनम में निर्धारित किए जाएंगे.

(ख) शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) साक्षात्कार के लिए उनके चयन के बारे में ईमेल और एसएमएस (उम्मीदवारों द्वारा उनके आवेदन पत्र में प्रदान किए गए) के माध्यम से सूचित किया जाएगा. **उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे चयन प्रक्रिया समाप्त होने तक अपना ईमेल/मोबाइल नंबर न बदलें.**

(ग) परीक्षा/साक्षात्कार के लिए सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) केंद्र में किसी भी परिस्थिति में बदलाव की अनुमति नहीं है.

(घ) अभ्यर्थियों को नौसेना मुख्यालय से एसएमएस/ईमेल (उम्मीदवार द्वारा उनके आवेदन में प्रदान किया गया) के माध्यम से सूचना प्राप्त करने के पश्चात कॉल अप लेटर डाउनलोड करना होगा. सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) तिथियों में परिवर्तन के संबंध में कोई भी पत्राचार कॉल अप लेटर प्राप्त होने पर संबंधित सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के कॉल अप अधिकारी को संबोधित किया जाना चाहिए.

(ङ) एसएसबी साक्षात्कार के दौरान परीक्षणों के परिणामस्वरूप लगी किसी भी चोट के मामले में कोई मुआवजा स्वीकार्य नहीं है.

(च) यदि किसी विशेष प्रकार के कमीशन के लिए पहली बार उपस्थित हो रहे हैं, तो सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) साक्षात्कार के लिए एसी 3 टियर रेल किराया स्वीकार्य है. अभ्यर्थियों को सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) के लिए उपस्थित होने के समय चेक लीफ के पासबुक के पहले पृष्ठ की फोटोकॉपी लाने की आवश्यकता है, जिस पर नाम, खाता संख्या और आईएफएससी विवरण का उल्लेख किया गया है.

(छ) सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) प्रक्रिया का विवरण भारतीय नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध है.

7. **मेरिट सूची:** मेरिट सूची सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी. मेडिकल परीक्षा में फिट घोषित उम्मीदवारों को पुलिस सत्यापन और चरित्र सत्यापन तथा प्रवेश में रिक्तियों की उपलब्धता के अधीन नियुक्त किया जाएगा.

8. **प्रशिक्षण:-**

(क) चयनित उम्मीदवारों को नौसेना की आवश्यकताओं के अनुसार एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में चार साल के बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी. टेक.) कोर्स के लिए कैडेट के रूप में शामिल किया जाएगा. कोर्स पूरा होने पर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) द्वारा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी. टेक.) की डिग्री प्रदान की जाएगी. कार्यकारी और तकनीकी शाखा (इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल) के बीच कैडेटों का वितरण मौजूदा नीति के अनुसार होगा.

(ख) पुस्तकों और पढ़ने की सामग्री सहित प्रशिक्षण की पूरी लागत भारतीय नौसेना द्वारा वहन की जाएगी. कैडेटों को उचित पोशाक और भोजन भी प्रदान किया जाएगा.

(9) **वेतन और भत्ते/समूह बीमा और ग्रेच्युटी/छुट्टी के अधिकार/अधिकारियों के कर्तव्य:** विवरण भारतीय नौसेना की वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर उपलब्ध हैं.

10. **आवेदन कैसे करें:** उम्मीदवारों को भर्ती वेबसाइट **www.joinindiannavy.gov.in** पर पंजीकरण करके अपना आवेदन जमा करना होगा. आवेदन जमा करने की विंडो के दौरान समय बचाने के लिए, उम्मीदवार अपने विवरण भर सकते हैं और अपने उपयोगकर्ता प्रोफाइल के तहत पहले से ही दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया नीचे बताई गई है.

(ए) ऑनलाइन (ई-आवेदन): ई-आवेदन भरते समय, निम्नलिखित को सक्षम करने के लिए प्रासंगिक दस्तावेजों को आसानी से उपलब्ध रखना उचित है:-

(i) मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट/12वीं कक्षा के सर्टिफिकेट में दिए गए अनुसार सही व्यक्तिगत विवरण भरना होगा.

(ii) ईमेल पता, मोबाइल नम्बर जैसे फील्ड अनिवार्य फील्ड हैं और उन्हें अनिवार्य रूप से भरना होगा.

(बी) सभी प्रासंगिक दस्तावेज (अधिमानतः मूल में), जन्म तिथि प्रमाण (10वीं/12वीं प्रमाणपत्र के अनुसार), 10वीं कक्षा की मार्कशीट, 12वीं कक्षा की मार्कशीट, जेईई (मुख्य)-2024 स्कोर कार्ड [सामान्य रैंक सूची (सीआरएल) का संकेत] और हाल ही में पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटोग्राफ मूल जेपीजी/टीआईएफएफ प्रारूप में स्कैन किया जाना चाहिए, आवेदन भरते समय इसे संलग्न करने के लिए, उम्मीदवारों को आवेदन का प्रिंट आउट लेना चाहिए और सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने के दौरान पैरा 10(बी) में उल्लिखित मूल प्रमाणपत्र/दस्तावेजों के साथ इसे ले जाना चाहिए.

(सी) यदि किसी भी कारण से कोई स्कैन किया गया दस्तावेज सुपाठ्य/पठनीय नहीं है, तो आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा.

(डी) एक बार जमा किया गया आवेदन अंतिम होगा और इसमें संशोधन/परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा.

नोट (2): (ए) कृपया अपना ऑनलाइन आवेदन अंतिम रूप से जमा करने से पहले वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से अवश्य पढ़ें.

(बी) चयन के किसी भी चरण में यदि कोई घोषणा गलत पाई जाती है, तो आपकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.

(सी) केवल अविवाहित ही प्रशिक्षण के लिए पात्र हैं. कोई भी उम्मीदवार, जो विवाहित पाया जाता है या प्रशिक्षण के दौरान विवाह करता है, उसे सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा और सरकार द्वारा उम्मीदवार को दिए गए वेतन और भत्ते और किसी भी अन्य व्यय सहित पूर्ण प्रशिक्षण लागत वापस करने के लिए उत्तरदायी होगा.

(डी) मादक पदार्थों का उपभोग/रखना प्रतिबंधित है. एसएसबी चयन/मेडिकल/प्रशिक्षण और बाद में सेवा के दौरान उम्मीदवार के शरीर में दवाओं की मौजूदगी/उपलब्धता के लिए परीक्षण किया जा सकता है. यदि उम्मीदवार चयन/मेडिकल/प्रशिक्षण/सेवा वाहक के किसी भी समय मादक पदार्थों का उपभोग करते/रखते पाया जाता है, तो उम्मीदवार को भारतीय नौसेना में शामिल होने से रोक दिया जाएगा या यदि वह पहले से ही भारतीय नौसेना में शामिल है, तो उसे सेवा से हटा दिया जाएगा.

नोट (3): आपके आवेदन की बाद में जांच की जाएगी और किसी भी समय अयोग्य/अमान्य पाए जाने पर आवेदन को अस्वीकार किया जा सकता है.

नोट: ऑनलाइन आवेदन करने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें

भारतीय वायु सेना
Indian Air Force

नागरिकता अधिनियम 1955 के अनुसार भारतीय नागरिकों में से पुरुषों और महिलाओं को वायु सेना में उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं में कमीशन अधिकारी के रूप में भारतीय वायु सेना का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता है. वेबसाइट https://careerindianairforce.cdac.in या https://afcat.cdac.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन के लिए पंजीकरण 02 दिसंबर 2024 (1100 बजे) को खुलेगा और 31 दिसंबर 2024 (2330 बजे) को बंद होगा.

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा (एएफसीएटी)- 01/2025/ एनसीसी विशेष प्रवेश

जनवरी 2026 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों के लिए

जनवरी 2026 में शुरू होने वाले फ्लाइंग ब्रांच और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के अनुदान के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं. एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम (फ्लाइंग ब्रांच के लिए) के लिए भी ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

2. शाखाएं, पाठ्यक्रम संख्या एवं रिक्तियां.

प्रवेश	शाखा	पाठ्यक्रम संख्या	रिक्तियां*	
			पुरुष (एसएससी)	महिला (एसएससी)
एफकैट प्रवेश	फ्लाइंग	219/26एफ/एसएससी/ एम एंड डब्ल्यू	21	09
	ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी)	218/26टी/एसएससी/ 108ईसी/एम एंड डब्ल्यू	AE (L) : 95 AE (M) : 53	AE (L) : 27 AE (M) : 14
	ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी)	218/26जी/एसएससी/ एम एंड डब्ल्यू	हथियार प्रणाली (WS) : 14 शाखा : 14 Admn : 42 LGS : 13 Accts : 11 Edn : 07 Met : 07	हथियार प्रणाली (WS) : 03 शाखा : 03 Admn : 11 LGS : 03 Accts : 02 Edn : 02 Met : 02
एनसीसी विशेष प्रवेश	फ्लाइंग	219/26एफ/पीसी/एम और 219/26एफ/एस एससी/एम एंड डब्ल्यू	पीसी के लिए सीडीएसई रिक्तियों में से 10% सीटें और एसएससी के लिए एफकैट रिक्तियों में से 10% सीटें आरक्षित	

*** दावा अस्वीकरण : दर्शाई गई रिक्तियां अस्थायी हैं और बिना किसी सूचना के परिवर्तन के अधीन हैं. वास्तविक भर्ती संगठनात्मक आवश्यकताओं, विभिन्न कैडर नियंत्रण प्रक्रिया, प्रशिक्षण समय या अवधि की उपलब्धता और जनवरी 2026 में होने वाली रिक्तियों की वास्तविक संख्या पर निर्भर करेगी. इस संबंध में किसी भी प्रतिनिधित्व पर विचार नहीं किया जाएगा. ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) रिक्तियों में से एक सीट विधि योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है.**

3. नियुक्ति के प्रकार :

(ए) पुरुषों और महिलाओं के लिए एसएससी :

(i) फ्लाइंग ब्रांच एसएससी अधिकारियों के लिए नियुक्ति अवधि कमीशन की तिथि से चौदह वर्ष है.

(ii) ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी और गैर-तकनीकी) शाखाओं में एसएससी अधिकारियों के लिए प्रारंभिक कार्यकाल दस वर्ष की अवधि के लिए होगा. सेवा आवश्यकताओं, रिक्तियों की उपलब्धता, इच्छा, उपयुक्तता और योग्यता के अनुसार चार साल का विस्तार दिया जा सकता है.

(iii) स्थायी कमीशन (पीसी) (बाद में) सेवा आवश्यकताओं, रिक्तियों की उपलब्धता, इच्छा, उपयुक्तता और योग्यता तथा इस विषय में प्रचलित नीतियों के अधीन विचार कर किया जा सकता है.

(iv) एसएससी अधिकारी पेंशन के लिए पात्र नहीं हैं.

4. आयु :

(ए) फ्लाइंग ब्रांच : 01 जनवरी 2026 को 20 से 24 वर्ष अर्थात 02 जनवरी 2002 से 01 जनवरी 2006 के बीच जन्म हो (दोनों तिथियां सम्मिलित हैं). बीजीसीएए (भारत सरकार) द्वारा जारी वैध और वर्तमान वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस रखने वाले उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 26 वर्ष तक की छूट दी गई है, अर्थात **02 जनवरी 2000 से 01 जनवरी 2006 के बीच जन्मे** (दोनों तिथियां सम्मिलित हैं).

(बी) ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी/गैर-तकनीकी) शाखाएं : 01 जनवरी 2026 को 20 से 26 वर्ष यानी 02 जनवरी 2000 से 01 जनवरी 2006 के बीच जन्में (दोनों तिथियां शामिल).

5. अधिसूचना : विस्तृत अधिसूचना वेबसाइट **https://careerindianairforce.cdac.in या https://afcat.cdac.in** पर उपलब्ध है. उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना है कि उन्होंने पंजीकरण करने से पहले अधिसूचना में उपलब्ध विवरण को पढ़ और समझ लिया है.

6. शारीरिक/चिकित्सा मानक, शैक्षिक योग्यताएं और चयन प्रक्रिया : शारीरिक/चिकित्सा मानक, शैक्षिक योग्यताएं और चयन प्रक्रिया का विवरण वेबसाइट पर विस्तृत अधिसूचना में उपलब्ध है.

7. प्रशिक्षण : वायु सेना अकादमी डुंडीगल (हैदराबाद) में सभी पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण **जनवरी 2026** के पहले सप्ताह में शुरू होगा. वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी (तकनीकी) शाखाओं के लिए प्रशिक्षण की अवधि 62 सप्ताह है और ग्राउंड ड्यूटी (गैर-तकनीकी) शाखाओं के लिए 52 सप्ताह है. वायु सेना अकादमी में शामिल होने के समय पैन कार्ड और एसबीआई/राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता होना अनिवार्य है. पंजीकरण के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है.

8. भारतीय वायु सेना आपको कमीशन पर वेतन प्रदान करती है (7वें वेतन आयोग के अनुसार).

पद	वेतन रक्षा मैट्रिक्स के अनुसार	स्तर	एमएसपी
फ्लाइंग ऑफिसर	रु. 56100-177500	10	रु. 15500

नोट : फ्लाइट कैडेट्स को एक वर्ष के प्रशिक्षण के दौरान 56,100/- रुपये प्रति माह का निश्चित वजीफा मिलेगा.

9. भत्ते : वेतन के अतिरिक्त, भत्ते ड्यूटी की प्रकृति/तैनाती के स्थान के आधार पर लागू होते हैं और इसमें उड़ान, परिवहन, तकनीकी, फील्ड क्षेत्र, विशेष प्रतिपूरक (पहाड़ी क्षेत्र), विशेष बल, सियाचिन, द्वीप विशेष ड्यूटी, परीक्षण पायलट और उड़ान परीक्षण इंजीनियर, क्षेत्र और दूरस्थ स्थान भत्ता आदि शामिल हैं.

10. विशेषाधिकार : वायु सेना अधिकारी सुसज्जित आवास के हकदार हैं. स्वयं और आश्रितों के लिए व्यापक चिकित्सा कवर, कैंटीन, ऑफिसर्स मेस ऋण रियायती दरों पर, एलटीसी आदि अवकाश (60 दिन वार्षिक और 20 दिन आकस्मिक).

11. बीमा : वायु सेना समूह बीमा सोसायटी (एएफजीआईएस) से सेवा अधिकारी को **1.25 करोड़** रुपये का बीमा कवर (अंशदान पर) उपलब्ध है.

12. खेल और साहसिक कार्य : भारतीय वायु सेना विभिन्न खेलों और साहसिक गतिविधियों (स्काई डाइविंग, माइक्रो लाइट फ्लाइंग, पर्वतारोहण, वॉटर राफ्टिंग आदि) के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करती है.

महत्वपूर्ण निर्देश :

13. योग्य उम्मीदवारों को एएफसीएटी (AFCAT) प्रवेश/एनसीसी (NCC) विशेष प्रवेश के लिए उपलब्ध अलग-अलग टैब के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा. एक/अधिक प्रविष्टियों के लिए पात्र उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रविष्टि में अलग से पंजीकरण करना होगा.

14. टैटू :

स्थायी शारीरिक टैटू से संबंधित नीति इस प्रकार है :-

(ए) शरीर के किसी भी अन्य अंग पर स्थायी टैटू की अनुमति नहीं है, चाहे वह दिखाई दे या न दे, सिवाय अग्रबाहु के अंदरूनी भाग पर, यानी कोहनी के अंदर से दोनों हाथों की कलाई तक और हथेली के पीछे की तरफ/ दोनों हाथों के पीछे (पृष्ठीय) भाग पर, जिसके लिए उम्मीदवार को स्व-घोषणा प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी. छोटे हानिरहित टैटू जो अच्छे आदेश और सैन्य अनुशासन के लिए हानिकारक नहीं हैं, उन्हें अनुमति दी जाती है, जैसे धार्मिक प्रतीक या प्रियजनों के नाम.

(ख) जिन जनजातियों के चेहरे या शरीर पर उनके मौजूदा रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार टैटू के निशान हैं, उन्हें मामलों के आधार पर अनुमति दी जाएगी.

15. नशीले पदार्थ : नशीले पदार्थों का उपयोग/रखना प्रतिबंधित है. मेडिकल के दौरान और बाद में अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण/सेवा कैरियर के दौरान शरीर में दवाओं की उपस्थिति के लिए उम्मीदवार का परीक्षण किया जा सकता है. यदि उम्मीदवार प्रशिक्षण/सेवा कैरियर के दौरान किसी भी समय नशीले पदार्थों का उपयोग करते या रखते हुए पाया जाता है, तो उम्मीदवार को भारतीय वायु सेना में शामिल होने से रोक दिया जाएगा या यदि वह पहले से ही शामिल है तो उसे सेवा से हटा दिया जाएगा.

16. एफकैट (AFCAT) परीक्षा के लिए ऑनलाइन टेस्टिंग का आयोजन और शुल्क संरचना : एफकैट (AFCAT) प्रवेश के लिए विभिन्न केंद्रों पर ऑनलाइन परीक्षण आयोजित किया जाएगा. एफकैट (AFCAT) प्रवेश के लिए पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा शुल्क के रूप में 550/- + जीएसटी (GST) (गैर-वापसी योग्य) का भुगतान करना होगा. हालांकि, एनसीसी (NCC) विशेष प्रवेश के लिए पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों को भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है. परीक्षा के संचालन, परीक्षा केंद्रों और भुगतान के तरीके का विवरण अधिसूचना में उपलब्ध है.

17. वैवाहिक स्थिति : पाठ्यक्रम शुरू होने के समय अभ्यर्थी अविवाहित होना चाहिए तथा प्रशिक्षण के दौरान विवाह की अनुमति नहीं है. यदि कोई अभ्यर्थी प्रशिक्षण अवधि के दौरान विवाह करता है तो उसे प्रशिक्षण से मुक्त कर दिया जाएगा तथा सरकार द्वारा उस पर किए गए सभी व्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी.

18. अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया के दौरान अपनी विशिष्ट पंजीकृत ई-मेल आईडी और मोबाइल फोन नंबर सक्रिय बनाए रखना आवश्यक है.

19. कृपया ध्यान दें कि ऑनलाइन आवेदन पत्र में उम्मीदवारों द्वारा भरी गई जानकारी अंतिम मानी जाएगी और बाद में उसमें कोई संशोधन नहीं किया जाएगा. उम्मीदवारों को अपनी जन्मतिथि दर्ज करते समय सावधानी बरतनी चाहिए.

20. यात्रा भत्ता (टीए) : पहली बार वायु सेना चयन बोर्ड में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को एसी-III टियर/एसी चेयर कार या वास्तविक सामान्य बस किराए के सबसे छोटे मार्ग से आने-जाने का किराया वापस किया जाएगा. यात्रा के अन्य सभी साधनों के लिए, सरकार द्वारा अधिकृत नियमों के अनुसार टीए स्वीकार्य होगा. यदि आप पहले से ही किसी भी चयन बोर्ड में इसी प्रकार की प्रविष्टि के लिए उपस्थित हो चुके हैं, तो कोई टीए स्वीकार्य नहीं है. उम्मीदवारों को सही और सक्रिय बचत बैंक खाता प्रस्तुत करना होगा जो उनके नाम पर होना चाहिए और कोई अन्य नाम या सुकन्या समृद्धि आदि जैसे बैंक खाते दावे के हस्तांतरण के लिए स्वीकार्य नहीं होंगे. स्वीकार्य टिकट/बैंक खाता आदि प्रस्तुत करने में किसी भी देरी के मामले में, एसएसबी के प्रारंभ होने की तारीख से एक महीने की अधिकतम अवधि पर विचार किया जाएगा, जिसके बाद कोई टीए दावा नहीं किया जाएगा और राशि सरकार को वापस कर दी जाएगी. इस संबंध में कोई और प्रश्न/दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा.

21. शारीरिक कंडीशनिंग : आपको सलाह दी जाती है कि जब आप एसएसबी के लिए जाएं तो शारीरिक रूप से फिट रहें. एएफएसबी (AFSB) में परीक्षा देने के लिए आपको एसएसबी (SSB)के लिए रिपोर्ट करना होगा. आपको 10 मिनट में 01 मील (1.6 किलोमीटर) दौड़ने, 10 पुश अप और 03 चिन अप करने की क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए. भावी उम्मीदवारों को यह भी सलाह दी जाती है कि वह एएफए (AFA)में शारीरिक प्रशिक्षण के लिए खुद को अच्छी शारीरिक स्थिति में रखें, जिसमें दौड़ना, तैरना, रस्सी पर चढ़ना और शारीरिक प्रशिक्षण/कंडीशनिंग के अन्य रूप शामिल हैं, जिसमें उन्हें प्रशिक्षण के दौरान अनिवार्य परीक्षणों से गुजरना होगा.

22. सवाल या पूछताछ : ऑनलाइन परीक्षा के आयोजन, पंजीकरण प्रक्रिया और एडमिट कार्ड से संबंधित प्रश्नों के लिए फोन नंबर 020-25503105 या 020-25503106 पर संपर्क करें या **afcatcell@cdac.in** पर ईमेल करें. पात्रता, एएफएसबी (AFSB) केंद्रों के आवंटन, एएफएसबी (AFSB) साक्षात्कार की तिथि, मेधा सूची और ज्वाइनिंग निर्देशों से संबंधित प्रश्नों के लिए फोन नंबर 011-23010231 एक्सटेंशन 7610 या टोल फ्री नंबर 1800-11-2448 पर संपर्क करें.

23. दावा अस्वीकरण : विज्ञापन और वेबसाइट पर दी गई जानकारी केवल दिशा-निर्देश हैं. किसी भी अस्पष्टता की स्थिति में, समय-समय पर संशोधित भारतीय वायु सेना/भारत सरकार की मौजूदा नीतियां, नियम और विनियम अंतिम और बाध्यकारी होंगे. विज्ञापन में दिए गए नियम और शर्तें केवल दिशा-निर्देश हैं और बिना किसी सूचना के बदलाव के अधीन हैं.

24. वैधानिक चेतावनी भारतीय वायु सेना में चयन निष्पक्ष और योग्यता आधारित है. किसी भी स्तर पर चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास, या जालसाजी, प्रतिरूपण या गलत जानकारी देने जैसे किसी भी अनुचित साधन का उपयोग आदि उम्मीदवारी की समाप्ति या सेवा समाप्ति और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकता है.

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबेक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

DPR CONSULTANCY OF BRIDGES

(Short Time E-Procurement Notice)

No.14590/22/D-12/Brg.DPR/2024 Bhopal, Dated : 04.12.2024

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of Bridge under PMGSY-III as per details given below :-

- **No. of Packages - 12**
- **Nodal PIU** - Sidhi, Vidisha-2, Ashok Nagar-2, Balaghat-1, Balaghat-2, Chhindwara-2, Chhindwara-2, Chhindwara-2, Dindori, Sheopur, Shivpuri-2 & Shivpuri-2.
- **No. of Bridges - 90**

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) – Rs. 3386232000/-

• Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in from 17:30 hrs. on 06.12.2024.**
2. Last date of Submission of bid is date **03.01.2025 upto 15.00 hrs.**

Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT and Tender Document for preparation of DPR of Bridges under PMGSY January-2020 amended up to date on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/117616/2024 R-50317/2024 (TENDER)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department Government of Madhya Pradesh)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No./14684/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 05.12.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 319/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

● SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. Name of Work : Within 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	5030000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from 09.12.2024 from 17:30 hrs. and **last date for Online Bid Submission is 24.12.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./117654/2024 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50321/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)
No./14675/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 05.12.2024

NOTICE INVITING TENDER EL-85

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Ratlam	1	276665.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **09.12.2024 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **24.12.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./117650/2024 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50318/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1209 (PM-JANMAN) (Batch-I, Year-2024-25)

No./14681/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 05.12.2024

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below;

- **Name of Work** - Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1	Shahdol	1	1	0.64	3349068/-

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **09.12.2024 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **24.12.2024 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/117653/2024 (Tender)

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50320/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)
No./14678/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 05.12.2024

NOTICE INVITING TENDER NO. 1208

UPG

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

- **Name of work :** UPG (MPRRDA SSR : 01.01.2024)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Dhar	1	30960000.00
2	Narsinghpur	2	46673000.00
3	Sehore	1	6218000.00
4	Ujjain	1	23039000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **09.12.2024 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **24.12.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./117651/2024 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50319/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)
No./14687/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 05.12.2024

NOTICE INVITING TENDER NO. 320/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

● SSR Applicable :- SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Table No. 1 :- Name of Work -** Repair/Maintenance of The Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Raisen	1	1957422.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work -** Repair/Maintenance of The Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Raisen	2	3314667.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **09.12.2024 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **24.12.2024 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./117655/2024 CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50322/2024

MADHYA PRADESH ECOTOURISM DEVELOPMENT BOARD

(M.P. Forest Department)
No./Ecoboard/2024/2073 Date : 06.12.2024

APPLICATIONS INVITED

Applications are invited from candidates having necessary qualifications for following posts on contractual appointment basis for 1 year :-

S.No.	Posts	Number of Posts
1.	Manager-IT	One

The details and application form may be downloaded from website **www.mpecotourism.org** The application duly completed along with necessary documents as per prescribed format must reach on or **before 26.12.2024 up to 17.00 hours,** in the office of MPEDB, **A wing, Urja Bhawan, Link Road No. 2, Shivaji Nagar, Bhopal 462016** or through **E-mail : mpecotourism@mp.gov.in**

M.P. Madhyam/117680/2024 R-50324/2024 CEO

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking), (Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE- 452001 (M.P.)
CIN : U51102MP1977SGC001392, Phone : (O) 0731-2970511, 2971311, 2974363
Fax No. : 0731-2972629. E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in
No. : MPIDC/ROIND/TECH/24/16295 Date : 05.12.2024

NOTICE INVITING TENDER

MPIDC Regional office Indore (formerly known as MPAKVN (I) Ltd., Indore) invites online Item Rate tender from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : **https://www.mptenders.gov.in** as mention below:

Name of Work	Probable Amount of Contract (P.A.C.) (in Rs.)	Cost of Tender Form (Non-Refundable) (in Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD in Rs.)	Time Period (i/c rainy season)	Last Date of Bid Submission
Integrated Management Property Services (Operation & Maintenance of Civil, Electrical Mechanical, and Housekeeping work) of Crystal IT Park (SEZ), Khandwa Road, Indore (M.P.)	477.40 Lakhs	17,700/-	4,77,400/-	24 Months	04.01.2025

Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. The Corrigendum, if any shall not be published in the newspaper, it will be uploaded on the e-procurement system.

M.P. Madhyam/117668/2024 R-50323/2024 EXECUTIVE ENGINEER

नक्सल गतिविधियों के नियंत्रण में जीरो टॉलरेंस की नीति का हो पालन

बालाघाट, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण के लिये जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाई जाये। उन्होंने नक्सल प्रभावी क्षेत्रों में गश्त बढ़ाते हुए मुखबिर व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि 36वीं बटालियन, हॉक फोर्स सहित सभी स्पेशल फोर्स एक्टिव होकर जिम्मेदारी से कार्य करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई को लेकर जन-प्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने आईजी श्री संजय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक नागेंद्र कुमार द्वारा जिले में नक्सल गतिविधियों के उन्मूलन के उद्देश्य से तैयार की गई योजना के प्रजेंटेशन का अवलोकन भी किया। बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री श्री लखन पटेल, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्री गौरव पारधी, विधायक राजकुमार करिहे, विधायक श्री मधु भगत, विधायक श्री विक्की पटेल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मुख्यमंत्री संकल्पित

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उनके सफल ब्रिटेन एवं जर्मनी दौरे के लिए बधाई दी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा प्रदेश में निवेश आकर्षित करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भूमि, बिजली और कर संबंधी सुविधाएं दी हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और उद्योग हब विकसित किए हैं। हर क्षेत्र के विकास के लिए वहां की विशेषताओं और क्षमता का पूरा उपयोग करने की रणनीति बनाई है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वास जताया कि यह यात्रा मध्यप्रदेश में निवेश का नया युग शुरू करेगी। यह प्रदेश की अद्वितीय विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी।

श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश समग्र विकास के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है। प्रदेश में क्षेत्रीय क्षमताओं और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए ठोस योजनाएं बनाई जा रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने उद्योग-अनुकूल नीतियां लागू की हैं और व्यापार सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को प्राथमिकता दी है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश आज निवेश के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हमने न केवल निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है, बल्कि प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को रोजगार के नए अवसरों में तब्दील करने का लक्ष्य रखा है। यह प्रदेश की प्रगति को नया आयाम देगा और युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित करेगा।

अच्छी सोच और बेहतर प्रबंधन के साथ बनाई गई है सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना पर जानकारी प्राप्त की

उज्जैन, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना और तैयारियों संबंधी प्रेजेंटेशन देखा। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने सिंहस्थ के लिये तैयार की गई विकास कार्ययोजना के प्रेजेंटेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस सोच के साथ कार्ययोजना तैयार की गई है उसे जमीन पर उतारा गया तो उज्जैन अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक, पौराणिक विरासत को संजोने में सफल होगा। उज्जैन अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक विरासत को समेटे हुए है। सिंहस्थ के लिये तैयार की गई कार्ययोजना से उज्जैन का पुरातन वैभव पुनः लौटेगा और राजा विक्रमादित्य की अवंतिका का स्वरूप प्राप्त होगा।

- **रेलवे स्टेशन से महाकालेश्वर मंदिर तक रोप-वे निर्माण किया जा रहा है।**
- **10 यात्रियों की क्षमता वाले 48 केबिन के माध्यम से श्रद्धालुओं का आवागमन होगा।**
- **उज्जैन-आगर-झालावाड़ की रेलवे लाइन पर भी कार्य किया जा रहा है।**
- **उज्जैन में 30 करोड़ रुपये की लागत से सैटेलाइट स्टेशन बनेगा।**

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने प्रेजेंटेशन के दौरान कपिला गौशाला और शिप्रा को प्रवाहमान बनाने की कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्ययोजना से कम से कम कीमत में क्षिप्रा को अविरल एवं स्वच्छ कर पाएंगे। सिंहस्थ 2028 में क्षिप्रा नदी में क्षिप्रा के जल से ही स्नान होगा। डॉ. यादव ने गौवंश को सुरक्षित करने की कार्ययोजना के संबंध में बताया कि सभी प्रमुख शहरों में 10 हजार गौवंश को रखने के लिए गौशालाएं बनाई जा रही हैं। कम से कम खर्चे और कम से कम मानव शक्ति का प्रयोग कर इन गौशालाओं का संचालन किया जाएगा।

डॉ. यादव ने बताया कि सिंहस्थ-2028 तक शिप्रा नदी को प्रवाहमान एवं अविरल करने के लिए कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी मध्यम परियोजना तथा कान्ह एवं क्षिप्रा नदी पर बैराज का निर्माण, बेसाल्ट से घाटों का निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को उज्जैन शहर में क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, जिससे कि क्षिप्रा नदी का जल पवित्र बना रहे।

कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण

सेवरखेड़ी सिलारखेड़ी मध्यम परियोजना क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवाहमान बनाए रखने के लिए है। ग्राम सेवरखेड़ी तहसील उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर बैराज निर्माण किया जाना है जिससे वर्षा काल के जल का उद्वहन कर ग्राम सिलारखेड़ी तहसील उज्जैन में स्थित सिलारखेड़ी तालाब में एकत्रित किया जाना प्रस्तावित है।

मध्यप्रदेश में 7 नए वन स्टॉप सेंटर खुलेंगे

भोपाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया कि प्रदेश में 7 नये वन स्टॉप सेंटर जल्द खोले जाएंगे। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा इसके लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि वन स्टॉप सेंटर झाबुआ जिले के पेटलावाद, इंदौर के रसूलिया, धार के पीथमपुर और मनावर सहित नए जिले पांढुर्ना, मऊगंज और मैहर में खोले जाएंगे।

सुश्री भूरिया ने कहा कि इन जिलों में वन स्टॉप सेंटर खुलने से पीड़ित महिलाएं उनके साथ हुए अत्याचार अथवा घरेलू हिंसा के बारे में बता पाएंगी और व्यवस्था अनुसार अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकेंगी। उन्होंने कहा कि यहां पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया और बचाव सेवाएं, चिकित्सा सहायता, प्राथमिकी दर्ज करने में महिलाओं की सहायता, मनोवैज्ञानिक या परामर्श सहायता, कानूनी सहायता, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के साथ पुलिस और अदालती कार्यवाही के दौरान सहायता प्रदान की जाती है।

सुश्री भूरिया के प्रयासों से झाबुआ के पेटलावद में नवीन वन स्टॉप सेंटर खुलने से इस क्षेत्र की महिलाओं को किसी भी प्रकार की हिंसा के पश्चात न्याय पाने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्रदेश में अब तक 57 ओएससी सेंटर्स संचालित किये जा रहे थे। अब इनकी संख्या 64 हो जाएगी।

एमपी ट्रांसको राजभाषा शील्ड से सम्मानित

भोपाल, मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित राजभाषा सम्मान शील्ड से पुरस्कृत किया गया है। यह शील्ड कन्याकुमारी में राजभाषा प्रबंध विकास संस्था नई दिल्ली द्वारा आयोजित हुए हिंदी राजभाषा सम्मेलन में प्रदान की गई है। इस सम्मेलन में भारत की सभी नवरत्न कंपनियों सहित केंद्रीय एवं देश के विभिन्न प्रादेशिक स्तर के शासकीय उपक्रमों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की ओर से इस सम्मेलन में अधीक्षण अभियंता श्री राजेश दीक्षित ने प्रतिनिधित्व किया।

अगले 5 वर्षों में सरकारी स्कूलों को बनायेंगे डिजिटल

रतलाम, मध्यप्रदेश में अगले 5 वर्षों में प्रत्येक सरकारी स्कूल की हर कक्षा को डिजिटल करने का प्रयास किया जायेगा। सरकारी स्कूलों के बच्चे पढ़ाई में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें, इसके लिये राज्य सरकार हर संभव कोशिश करेगी। यह बात स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने रतलाम जिले में चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि रतलाम के सीएम राइज विनोबा स्कूल ने दुनियाभर में पहला स्थान प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने फाउण्डेशन के अनूठे आयोजन की भी तारीफ की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि देश का हर स्कूल एक्सीलेंस बने।

जनजातीय कार्य मंत्री और रतलाम जिले के प्रभारी मंत्री कुंवर डॉ. विजय शाह ने कहा कि प्रदेश में जनजातीय वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छे कैरियर के लिये श्रेष्ठ संस्थानों में कोचिंग दिलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि रतलाम का यह समारोह प्रदेश के अन्य जिलों को भी प्रेरणा देगा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने बताया कि हमारा यह फाउण्डेशन रतलाम में कक्षा-10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर रहा है। सम्मान के रूप में विद्यार्थियों को टाइटन की रिस्ट वॉच एवं शील्ड प्रदान की गयी है। वर्ष 2024 के सम्मान समारोह में 2024 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में 93 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मंच पर बैठने का स्थान दिया गया। सम्मान समारोह में जानकारी दी गयी कि फाउण्डेशन पिछले 10 वर्षों से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर रहा है। फाउण्डेशन बच्चों में अच्छे संस्कार देने के लिये सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम भी करता आ रहा है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को मिलेगा एक्सीलेंस अवॉर्ड

भोपाल, इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एन्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट सर्विसेस एवं इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेस का प्रतिष्ठित कलिंगा सेप्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड-2023 मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को देने का निर्णय लिया गया है। विद्युत गृह को यह अवॉर्ड लार्ज स्केल इंटरप्राइजेस मेजर इंडस्ट्री केटेगरी में मिलेगा। उल्लेखनीय है कि श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना ने अवॉर्ड के लिए निर्धारित सेफ्टी (सुरक्षा), स्वास्थ्य व पर्यावरण से संबंधित सभी मापदंडों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

अतीत से जोड़ते और मेल-मिलाप बढ़ाते हैं मेले

भोपाल, मेला संस्कृति हमें अतीत से जोड़ती है, जिससे मेल-मिलाप का भाव सशक्त होता है। एक दूसरे के साथ पालकी में एक साथ झूला झूलने और तरह-तरह के व्यंजनों का स्वाद लेने से मिलने वाला आनंद अभूतपूर्व है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित भेल दशहरा मैदान में आयोजित भोजपाल महोत्सव को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण सहित सभी देवी-देवताओं की जय-जय कार हम इस धरती पर नहीं करेंगे तो कहां करेंगे। हम उस संस्कृति के संवाहक हैं, जिसके रोम-रोम में राम बसते हैं। इस सनातन धर्म की व्यवस्था के लिए कोई समझौता नहीं करेंगे। यह हमारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोजपाल मेले में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

संस्कृति का आनंद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम अयोध्या में मुस्करा रहे हैं। आने वाले दिनों में यमुना जी के पास कृष्ण कन्हैया मुस्कराएंगे। डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज के प्रसंगों को याद करें, जिन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता के बलबूते इतिहास, संस्कृति, कला, युद्ध, मैदान हर क्षेत्र में ऊंचा स्थान बनाया है।

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी जारी

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये धान की खरीदी 2 दिसम्बर से शुरू हो गई है। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों की एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी।

श्री राजपूत ने बताया है कि धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा।

केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 45 लाख मीट्रिक टन की जायेगी। गोदाम स्तर पर खाद्यान्न की गुणवत्ता का परीक्षण उपार्जन एजेंसी के गुणवत्ता सर्वेयर द्वारा स्टेक लगाने के पहले किया जायेगा। परिवहनकर्ता द्वारा उपार्जित खाद्यान्न का परिवहन समय-सीमा में नहीं करने पर पेनाल्टी की व्यवस्था साप्ताहिक रूप से की जायेगी।

भुगतान व्यवस्था

समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। धान उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से उपार्जन केन्द्र पर लायी जाने वाली उपज की अवैध बिक्री को रोकने के लिये समुचित कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

यूके-जर्मनी दौरे में रहा एडवांस टेक्नोलॉजी और भारतीय संस्कृति का समावेश - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूके-जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा की वापसी के बाद मीडिया से चर्चा की

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान और अधिक सशक्त भी हो रही है साथ ही एक अलग छवि बन रही है। उनकी 'जो कहते हैं, वह पूरा करके दिखाते हैं' वाली कार्यशैली प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री की ग्लोबल लीडर वाली उत्कृष्ट छवि का लाभ मध्यप्रदेश को यूके-जर्मनी की 6 दिवसीय यात्रा में मिला है। इसी का परिणाम है कि इस यात्रा में लगभग 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव उद्योगपतियों और निवेशकों से प्राप्त हुए हैं। इससे प्रदेश के युवाओं को रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में विदेश यात्रा से लौटने के बाद मीडिया से संवाद करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल निवेश आकर्षित करना था, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगों, शोध केंद्रों, शिक्षा

- **विदेशों में मध्यप्रदेश की टेक्नो-फ्रेंडली पॉलिसी की हुई सराहना।**
- **यूके-जर्मनी यात्रा, प्रदेश के समग्र विकास के साथ युवाओं के रोज़गार के लिये रही सार्थक।**
- **विदेशी तकनीक के साथ प्रदेश में उन्नति के खुलेंगे नए द्वार।**
- **विदेश यात्रा में मिले 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव।**

केंद्रों, सांस्कृतिक केंद्रों का भ्रमण कर उन क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं के लिये रोज़गार के अवसरों का सृजन करना था। मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंटस, टेक्नोलॉजिकल पार्टनरशिप और कल्चरल सेन्टर के रूप में स्थापित करना भी था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा, भारत में मध्यप्रदेश को फ्यूचर रेडी स्टेट के रूप में प्रस्तुत करने और विभिन्न सेक्टर्स में साझेदारी को बढ़ावा देने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए की गई। यात्रा में फरवरी-2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के प्रसार एवं निवेशकों को आकर्षित करने का समग्र और सशक्त प्रयास भी किया गया।

डॉ. यादव ने कहा कि यूके एवं जर्मनी की यात्रा में निवेश के लिये फोकस सेक्टर खनिज, सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल (ईवी), नवकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, खाद्य प्रसंस्करण थे। प्रदेश सरकार के यूके और जर्मनी दौरे में निवेशकों के साथ राज्य में औद्योगिक, तकनीकी और पर्यावरणीय विकास को गति देने के लिये निवेश को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा की गयी। जर्मनी में विशेष रूप से तकनीकी अनुसंधान, हरित ऊर्जा, और औद्योगिक विकास पर चर्चा हुई।

उर्वरक वितरण और विक्रय से जुड़ी गड़बड़ियों पर सख्त कार्रवाई की जाए

भोपाल, मध्यप्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। जिन स्थानों से वितरण संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। वितरण केन्द्रों की संख्या बढ़ाना आवश्यक हो, उन स्थानों पर अविलंब ऐसे प्रबंध किए जाएं। किसानों को कोदो-कुटकी के उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में उर्वरकों के अवैध भंडारण, अवैध परिवहन और कालाबाजारी के 71 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश को किसानों की जरूरत के मान से केन्द्र द्वारा भी निरंतर उर्वरक प्रदाय किए जा रहे हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में उर्वरकों के वितरण की समीक्षा करते हुए कहीं।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पूर्व वर्ष में 470 उर्वरक विक्रय केन्द्र थे। वर्तमान में प्रदेश में 761 विक्रय केन्द्र और काउंटर्स द्वारा वितरण का कार्य किया जा रहा है। विपणन संघ, मार्केटिंग सोसायटी और एमपी एग्रो द्वारा केन्द्रों का सुचारू संचालन किया जा रहा है। प्रदेश में गुणवत्ता नियंत्रण के अंतर्गत 10 हजार से अधिक नमूने विश्लेषित किए गए। साथ ही 45 लायसेंस निलंबित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर और अन्य जनमाध्यमों से उर्वरक वितरण की शिकायतें प्राप्त होने पर सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के अधिकारी अविलंब संज्ञान लें और शिकायतों को दूर करें। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में गत वर्ष से अधिक मात्रा में उर्वरक वितरण हो चुका है। फसलों की बोवनी लगभग दो तिहाई क्षेत्र में हो चुकी है। प्रदेश में 28 नवम्बर 2024 तक 32.44 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। इनमें 21.34 लाख मीट्रिक टन का विक्रय हो चुका है और 11.10 लाख मीट्रिक टन उर्वरक शेष हैं। दिसम्बर माह में इनकी उपलब्धता लगभग 20 लाख मीट्रिक टन रहेगी।

आदिगुरु शंकराचार्य ज्ञान परम्परा के सूर्य चरणबद्ध रूप से पूर्ण होगा एकात्म धाम

खंडवा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकात्म धाम को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिगुरु शंकराचार्य जी की किसी से तुलना नहीं हो सकती, वे ज्ञान पंरपरा में सूर्य के समान प्रकाशमान हैं। उनका यहां विराजना ही शुभता का सूचक है, वर्तमान में हिंसा का दौर चल रहा है ऐसे में आचार्य शंकर का जीवन दर्शन हमें शांति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी संस्कृति के संरक्षण के लिए सदैव हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिगुरु शंकराचार्य ने एकात्मवाद का अद्भुत संदेश जन-जन तक पहुंचाया। सनातन धर्म परम्परा की रक्षा एवं उसके सिद्धांतों के वैश्विक प्रचार-प्रसार में उनकी अहम भूमिका रही। कठिनाइयों और संघर्षों का सामना करते हुए वे अपने गुरु से दीक्षा लेने के लिए केरल से ओंकारेश्वर आए।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किये जाएंगे

भोपाल, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने मंत्रालय में जनजातीय कार्य विभाग की संचालित योजनाओं और गतिविधियों की गहन समीक्षा की। मंत्री डॉ. शाह ने विभागीय योजनाओं के डिलेवरी सिस्टम को और अधिक प्रभावी और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जनजातीय विकासखंड में 'जनजातीय संस्कृति संरक्षण केंद्र' स्थापित किए जाएंगे।

एनीमिया और हिडन हंगर पर नीति संवाद

भोपाल, नीति आयोग की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एनीमिया के उन्मूलन के लिये सभी सम्बद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। मध्यप्रदेश में एनीमिया और हिडन हंगर की स्थिति पर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) से जानकारी साझा की गई। नीति आयोग द्वारा एनीमिया और हिडन हंगर पर विशेषज्ञों ने गत दिवस एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के संदर्भ में व्यापक चर्चा की।

आयुक्त खाद्य, श्री सिवि चक्रवर्ती ने राज्य के फोर्टिफाइड चावल कार्यक्रम और एनीमिया से जुड़े महिला कार्यबल की कम भागीदारी को एक बड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कार्यबल पर एनीमिया के प्रभाव का आंकलन करने और डेटा का उपयोग करके प्रभावी रणनीतियां तैयार करने का सुझाव दिया। संयुक्त नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्रीमती माया अवस्थी ने हिडन हंगर और राज्य में फोर्टिफिकेशन प्रयासों, विशेष रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से डबल-फोर्टिफाइड नमक के वितरण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एनीमिया को समाप्त करने के लिए विभागों के बीच समन्वय को रेखांकित किया।

एफएसएसएआई के डॉ. अमित शर्मा ने सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने वाले नियामक ढांचे पर चर्चा की, जिसमें खाद्य सुरक्षा और फोर्टिफिकेशन मानकों के लिए अधिदेश पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री मुदित कपूर ने मध्यप्रदेश में घरेलू आहार प्रवृत्तियों पर डेटा प्रस्तुत किया, जिसमें क्षेत्रीय विविधताओं, आहार विविधता में सुधार और अनाज की खपत में गिरावट को रेखांकित किया गया।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सुश्री रुचिका चुघ सचदेवा ने कुपोषण को दूर करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया।

मुख्यमंत्री ने गैस त्रासदी के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दुनिया की इस भीषण त्रासदी के दिन मैं भोपाल प्रवास पर ही था। इसकी तकलीफ सिर्फ वो ही समझ सकता है, जिसने इसे वास्तविक रूप से भोगा है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं जाकर गैस प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गैस त्रासदी में प्रभावितों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भगवान श्री महाकाल से प्रार्थना की।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में चार नए पाठ्यक्रम होंगे प्रारंभ

भोपाल, भोपाल में स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (GSP) में चार नए अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। कौशल विकास और रोज़गार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन में इस परियोजना को नई दिशा दी जा रही है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर एंड नेटवर्क सिक्युरिटी एनीमेशन - मोशन ग्राफिक, गेमिंग टेक्नोलॉजी और एआर एंड वीआर शामिल हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों से लिया जाएगा। उपरोक्त कोर्सेज के संचालन के लिए कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री एवं एमएसएमई मंत्री श्री चेतन काश्यप की उपस्थिति में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

तकनीकी साझेदारी के लिए आईआईटी दिल्ली और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर को नॉलेज पार्टनर के रूप में चुना गया है।

आईआईटी दिल्ली तीन पाठ्यक्रमों (एनीमेशन-मोशन ग्राफिक, टेक्नोलॉजी और एआर एंड वीआर) के लिए मार्गदर्शन देगा, जबकि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, साइबर और नेटवर्क सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

इसके अलावा, आईआईटी रोपड़ के साथ एक समझौता किया गया है, जिसके अंतर्गत ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इनमें डीजीसीए सर्टिफाइड ड्रोन पायलट ट्रेनिंग, ड्रोन डाटा प्रोसेसिंग के लिए जीआईएस, ड्रोन एप्लीकल्चर और ड्रोन निर्माण जैसे कोर्स शामिल होंगे।

संतगण सद्मार्ग पर चलने के लिए करते हैं प्रेरित

खंडवा, संत और भगवा की अपनी एक विशेषता होती है। संतजन समाज और हजारों जीवन को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हुए ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करते हैं। जिस प्रकार से सूर्य और दीप हमें ऊर्जा प्रदान कर अंधकार से मुक्त कराते हैं, वैसे ही संत जन हमारे जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश की नई ज्योति प्रदान करते हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर में ब्रह्मपुरी घाट पर आयोजित 'अमृतस्य मां नर्मदा पद परिक्रमा कार्यक्रम' में कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रह्मपुरी घाट पर मां नर्मदा का पूजन कर आरती की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत हमें सदैव सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा नदी, पर्वत, पहाड़ हम मनुष्यों को प्रकृति की एक देन हैं। इसके संरक्षण के लिए हम सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है। हमें अपनी संस्कृति पर गर्व है और सभी को होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक देवस्थान पर बेहतर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने कहा प्रदेश में पूरे नर्मदा परिक्रमा पथ को बेहतर तरीके से विकसित करते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएंगी, जिससे नर्मदा परिक्रमा करने वाले यात्रियों को सुविधा होगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध पक्षों की जानकारी नागरिकों को मिले

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में गीता जयंती एवं तानसेन महोत्सव की तैयारियों की बैठक कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 8 दिसम्बर को गीता जयंती और 8 से 11 दिसम्बर की अवधि में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के सभी कार्यक्रम नागरिकों की सहभागिता के साथ उत्साहपूर्वक आयोजित किए जाएं।

भगवान श्रीकृष्ण सांदीपनि आश्रम उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आए थे। इसीलिये प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर गीता जयंती मनाए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विविध पक्षों और श्रीमद्भागवत गीता के सार्थक संदेशों से नागरिकों को अवगत करवाने के लिए गीता जयंती के उपलक्ष्य में होने वाली गतिविधियों को अभिनव स्वरूप दिया जाए।

गीता जयंती पर होंगे प्रदेशव्यापी कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में गीता जयंती के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम किए जाने का अपना विशेष महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने न सिर्फ मध्यप्रदेश के उज्जैन बल्कि अन्य स्थानों पर भी जाकर उस दौर में मानव जीवन को सार्थक बनाने का अनमोल संदेश दिया। उन्होंने कर्म, अनुशासन और उस युग में भी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन कर सम्पूर्ण समाज के लिए अनूठे दृष्टांत प्रस्तुत किए।

अर्जुन एक प्रतीक थे, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जित शिक्षा और ज्ञान के आधार पर विभिन्न सिद्धांतों को पहले स्वयं आत्मसात किया, इसके बाद उनका प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने युद्ध में अपने पक्ष की अपूर्णीय क्षति भी स्वीकार की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण का जिन स्थानों पर आगमन हुआ था वे तीर्थ के रूप में विकसित किए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में बनेंगे विश्व रिकॉर्ड

महाराज विक्रमादित्य शोध पीठ, प्रशासन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 8 से 11 दिसम्बर, 2024 को उज्जैन में आयोजित करेगी। भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में 11 दिसम्बर को गीता का सस्वर पाठ करने के लिए हजारों आचार्य उपस्थित होंगे।

इस अवसर पर गीता स्वर पाठ में शामिल होने वाले आचार्यों की संख्या का पूर्व का रिकॉर्ड 1350 आचार्यों द्वारा गीता पाठ करने का रहा है। मध्यप्रदेश इस रिकॉर्ड को तोड़कर नया रिकॉर्ड बनाएगा। कुरूक्षेत्र हरियाणा में आयोजित 3 दिवसीय गीता जयंती कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 9 दिसम्बर को शामिल होंगे।

9 दिसम्बर को श्रीकृष्ण आधारित महानाट्य कृष्णायन की प्रस्तुति

उज्जैन में गीता संवाद में 8 दिसम्बर को प्रख्यात गीतकार श्री मनोज मुन्तशिर शुक्ला का गीता संवाद और गुरु दक्षिणा के अंतर्गत ब होगी। इसी क्रम में 9 दिसम्बर को श्रीकृष्ण आधारित महानाट्य कृष्णायन की प्रस्तुति होगी। उज्जैन में ही 10 एवं 11 दिसम्बर को गीता संवाद के अंतर्गत स्वामी सरस्वती द्वारका पीठ सहित प्रमुख आध्यात्मिक विभूतियां भागीदारी करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न

औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई में 442.04 एकड़ भूमि शामिल करने की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित किया

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई जिला नर्मदापुरम के क्षेत्रफल का विस्तार करने की स्वीकृति दी गयी। निर्णय अनुसार विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के विनिर्माण क्षेत्र के लिए आरक्षित 441.96 एकड़ क्षेत्रफल में औद्योगिक क्षेत्र मोहासा बाबई की 442.04 एकड़ भूमि को शामिल किया गया है। अब औद्योगिक पार्क का क्षेत्रफल कुल 884 एकड़ हो गया है। इसी प्रकार औद्योगिक पार्क के लिए स्वीकृत सुविधाएं एवं आबंटन प्रक्रिया को संशोधित क्षेत्रांतर्गत स्थापित होने वाली इकाइयों को भी उपलब्ध कराने का अनुमोदन किया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा आगामी सिंहस्थ-2028 को देखते हुए इंदौर-उज्जैन में 2312 करोड़ रुपये से अधिक राशि के सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गयी। इसमें उज्जैन सिंहस्थ बायपास लंबाई 19.815 किलोमीटर, 4-लेन मय पेव्ड्ड शोल्डर उन्नयन एवं निर्माण कार्य लागत राशि 701 करोड़ 86 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड मार्ग 4-लेन मय पेव्ड्ड शोल्डर लंबाई 48.05 किलोमीटर एवं लागत राशि 1370 करोड़ 85 लाख रुपये और उज्जैन जिला अंतर्गत इंगोरिया-देपालपुर 2-लेन मय पेव्ड्ड शोल्डर सड़क लंबाई 32.60 किलोमीटर लागत राशि 239 करोड़ 38 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। ये सभी सड़कें मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के माध्यम से विकसित की जायेंगी।

आबकारी नीति के निर्धारण के लिए मंत्रिपरिषद समिति का गठन

मंत्रिपरिषद ने वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी नीति के निर्धारण, समय-समय पर निर्णय लेने और राजस्व हित में आवश्यक नीतिगत निर्णय लेने के लिए मंत्रिपरिषद् समिति का गठन किये जाने का अनुमोदन दिया। मंत्रिपरिषद समिति में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, श्री गोविंद सिंह राजपूत और सुश्री निर्मला भूरिया शामिल हैं।

फैक्ट फाइल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर वर्ष पांच हजार किलोमीटर से अधिक नए ट्रेक, 1300 से अधिक स्टेशनों का हुआ पुनर्विकास

मध्यप्रदेश के विकास को गति देगी इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन परियोजना

यह समय भारतीय रेलवे का अमृत काल है। देश अब बुलेट ट्रेन के लक्ष्य को पूर्ण करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर वर्ष पांच हजार किलोमीटर से अधिक नए ट्रेक का निर्माण और 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास हो रहा है। जिससे कनेक्टिविटी में मजबूती के साथ विकास और निर्माण के नये कीर्तिमान स्थापित होने के साथ रोजगार के अवसर मिलेंगे। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत इंदौर-मनमाड़ रेलवे परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गयी है। यह रेल लाइन परियोजना मालवा निमाड़ के विकास के साथ मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास में प्रभावी भूमिका निभाएगी।

इस परियोजना से विकास के नये आयाम विकसित होंगे जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत निर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह परियोजना मध्यप्रदेश के लॉजिस्टिक नेटवर्क को मजबूत करेगी और नई कनेक्टिविटी निर्मित होगी। इसकी कुल लागत 18,036.25 करोड़ रुपये तथा नई रेल परियोजना की कुल लंबाई 309 किलोमीटर है। यह परियोजना मध्यप्रदेश के प्रमुख जिलों इंदौर, धार, खरगोन और बड़वानी को सीधे महाराष्ट्र के नासिक और धुले जिलों से जोड़ेगी जिससे इन जिलों में आर्थिक और सामाजिक विकास को बल मिलेगा। यह राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी, जिससे मध्यप्रदेश के प्रमुख जिलों का सर्वांगीण विकास संभव होगा। परियोजना के निर्माण के दौरान और पूर्ण होने पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे राज्य के युवाओं को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अन्य प्रकल्प निर्मित करने की भी योजना है। जिसमें रेल लाइन पथ के साथ विकास कार्य किये जायेंगे। इस क्षेत्र को इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जायेगा। इससे आर्थिक विकास और रोजगार बढ़ने के साथ पर्यटन को विस्तार मिलेगा।

पीएम गति शक्ति के तहत प्रदेश को सौगात

PM Gati Shakti

मुख्य बिंदु

- 18036 करोड़ रुपये की इस परियोजना से बेहतर आर्थिक परिदृश्य, नये उद्योगों और निवेश को प्रोत्साहन।
- 29 लाख लोगों को पहली बार रेल कनेक्टिविटी का लाभ।
- राज्य के समग्र विकास और सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिये महत्वपूर्ण।
- इस रेलवे लाइन से मध्यप्रदेश के मालवा एवं निमाड़ अंचल के अनुसूचित जनजाति के लोगों का समुचित विकास होगा।
- यह परियोजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का बड़ा माध्यम बनेगी।
- मध्यप्रदेश के अनुसूचित जनजाति के लोगों के जीवन में यह रेलवे लाइन एक नई शुरुआत करेगी।
- मालवा-निमाड़ क्षेत्र में रोजगार के साधन बढ़ेंगे।
- व्यापारिक, औद्योगिक, कृषि क्षेत्र का विकास होगा।
- धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, चार ज्योतिर्लिंग परस्पर जुड़ जाएंगे।
- इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन से औद्योगिक और कृषि उत्पादों के परिवहन में तेजी आएगी, जिससे किसानों और उद्योगपतियों को बड़ा लाभ मिलेगा।
- परियोजना के अंतर्गत कई प्रमुख नदियों और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए पुलों और सुरंगों का निर्माण भी किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण

- हर साल लगभग 138 करोड़ किलोग्राम CO_2 उत्सर्जन में कमी आएगी, जो 5.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

भारतीय रेलवे की क्षमता में वृद्धि

- इस नई रेलवे लाइन से भारतीय रेलवे की माल ढुलाई क्षमता में 26 मिलियन टन प्रति वर्ष की वृद्धि होगी, जिससे राज्य के उद्योगों को फायदा होगा।

धार्मिक स्थलों तक आसान पहुंच

- महाराष्ट्र में त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिर्डी साईं मंदिर, और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंच में सुधार होगा।

मध्यप्रदेश का योगदान

- परियोजना में राज्य सरकार 10% राशि, अर्थात् 1,362.80 करोड़ रुपये का योगदान देगी। मध्य प्रदेश में 905.191 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

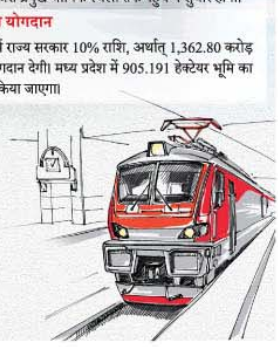

कृषि और औद्योगिक विकास

- नासिक, धुले और नंदुरबार के प्याज उत्पादक हब को यह नई रेल लाइन वैकल्पिक और तेज परिवहन सुविधा प्रदान करेगी।

पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा

- नई रेल लाइन से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को जेएनपीए और हजीरा पोर्ट तक सीधा कनेक्शन मिलेगा।

बेहतर माल ढुलाई और वस्त्रों का परिवहन

- इस परियोजना से खाद्यान्न, वस्त्र, उर्वरक, इस्पात उत्पादों आदि का तेज गति से परिवहन और कुशल प्रबंधन हो सकेगा।

शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

कैथरीन ग्रेंजर

ब्रिटिश ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनीं

ब्रिटेन की पूर्व रोइंग खिलाड़ी कैथरीन ग्रेंजर ब्रिटिश ओलंपिक संघ की अध्यक्ष बन गई हैं। वह ब्रिटिश ओलंपिक संघ के 119 वर्षों के इतिहास में पहली महिला अध्यक्ष हैं। वह वर्ष 2025 की शुरुआत में ह्यूज रॉबर्टसन की जगह लेंगी।

कैथरीन ने ब्रिटिश ओलंपिक संघ के चुनाव में संघ की वर्तमान उपाध्यक्ष एनामैरी फिलिप्स को 46 वोट से हराया। स्कॉटलैंड की निवासी कैथरीन ने ओलंपिक खेलों में पांच बार ब्रिटेन के लिए पदक जीते हैं। उन्होंने सिडनी ओलंपिक-2000 में पहली बार ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2004 और 2008 में भी रजत पदक जीता। वर्ष 2012 में कैथरीन ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि वर्ष 2016 में उन्होंने रजत पदक जीतकर रोइंग को अलविदा कह दिया।

एलन मस्क

विश्व इतिहास के सबसे धनी व्यक्ति बने

अमेरिका के उद्योगपति और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और कीर्तिमान अपने नाम किया है। मस्क अब दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति ही नहीं बल्कि विश्व इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनियर्स इंडेक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क की कुल संपत्ति 348 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। विश्व इतिहास में इससे पहले किसी व्यक्ति के पास इतनी संपत्ति नहीं रही है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक वर्ष में मस्क की संपत्ति में 119 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद टेस्ला के शेयरों में जबरदस्त बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। इसके अलावा मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी की कीमतों ने भी उनकी नेटवर्थ में इजाफा किया है।

लेह में खुला

देश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन स्टेशन

भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन स्टेशन लद्दाख के लेह में स्थापित हो गया है। इस स्टेशन से एनटीपीसी ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाली बसें संचालित करेगा। केंद्रीय ऊर्जा एवं आवास मंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर ने लेह में एनटीपीसी की ग्रीन हाइड्रोजन बसों को हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। इस स्टेशन के शुभारंभ के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो ग्रीन मोबिलिटी के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। यह स्टेशन प्रतिदिन 80 किलोग्राम ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा। यह स्टेशन प्रतिवर्ष 350 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन कम करेगा और वातावरण में प्रतिवर्ष 230 मीट्रिक टन शुद्ध ऑक्सीजन देगा।

यामांडू ओरसी

चुने गए उरुग्वे के राष्ट्रपति

ऊरुग्वे में सम्पन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी पार्टी के उम्मीदवार यामांडो ओरसी ने शानदार जीत दर्ज की है। ओरसी देश के अगले राष्ट्रपति होंगे। ओरसी ने चुनाव में मध्य दक्षिणपंथी नेशनल पार्टी के अल्वारो डेलगाडो को कड़े मुकाबले में हराया। चुनाव में ओरसी को 49.8 प्रतिशत मत हासिल किए, जबकि डेलगाडो को 45.9 प्रतिशत मत मिले। ओरसी मार्च 2025 में राष्ट्रपति पद संभालेंगे। ऊरुग्वे के वर्तमान राष्ट्रपति लुईस लाकाले ने ओरसी को राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी है। ओरसी के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद अब इस दक्षिण अमेरिकी देश में एक बार फिर ब्रॉड फ्रंट की वापसी हुई है।

डॉ. जयतीर्थ राघवेंद्र जोशी

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के प्रमुख नियुक्त

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ मिसाइल वैज्ञानिक डॉ. जयतीर्थ राघवेंद्र जोशी को ब्रह्मोस एयरोस्पेस का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वह अतुल दिनकर राणे की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। उस्मानिया विश्वविद्यालय से बी.टेक. और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान वारंगल से पीएच.डी. की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. जोशी वर्ष 2021 में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरर्स इंडिया द्वारा भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत और रूस का संयुक्त एयरोस्पेस और रक्षा निगम है, इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह संस्थान ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों का निर्माण करता है।

जय भट्टाचार्य

अमेरिका में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर नामित

अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जय भट्टाचार्य को देश के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान एवं वित्त पोषण संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर पद के लिए नामित किया है। जय अभी स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। यह सरकारी फंड से चलने वाला दुनिया का सबसे बड़ा बायोमेडिकल रिसर्च संस्थान है। ट्रंप प्रशासन 2.0 में अहम प्रशासनिक पद पर नामित होने वाले जय पहले भारतवंशी हैं। हालांकि इससे पहले ट्रंप ने विवेक रामास्वामी को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का प्रमुख बनाया था, लेकिन यह एक स्वैच्छिक पद है। रामास्वामी सरकार से बाहर रहकर काम करेंगे।

काश पटेल

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के प्रमुख बनेंगे

अमेरिका में नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्यप 'काश' पटेल को देश की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) का प्रमुख नामित किया है। काश पटेल एफबीआई का प्रमुख बनने वाले पहले भारतवंशी होंगे। ट्रंप ने काश पटेल को एफबीआई का प्रमुख नामित करते हुए कहा कि वह अमेरिका फर्स्ट नीति के समर्थक हैं और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' को आगे ले जाएंगे। वह बेहतरीन वकील होने के साथ-साथ पेशेवर जांचकर्ता भी हैं। काश पटेल राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के डिप्टी चीफ रह चुके हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल (वर्ष 2020) में काश पटेल को एफबीआई का प्रमुख बनाने का वादा किया था, लेकिन समर्थन नहीं मिलने के कारण वह ऐसा नहीं कर सके थे।

भारतीय फिल्म 'पायर'

टॉलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में मिला ऑडियंस अवॉर्ड

एस्तोनिया की राजधानी टॉलिन में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े फिल्म समारोह में से एक ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल-2024 में भारतीय फिल्म 'पायर' की धूम रही। इस फिल्म महोत्सव में पायर ने ऑडियंस अवॉर्ड अपने नाम किया। पायर एक हिंदी फिल्म है, जिसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक विनोद कापड़ी ने किया है। उत्तराखंड की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म पहाड़ों से युवाओं के पलायन और एक बुजुर्ग दंपति के संघर्ष की कहानी है। आयोजकों के अनुसार पायर को दर्शकों ने अपनी पसंदीदा फिल्म के रूप में चुना है।

जय शाह

आईसीसी अध्यक्ष का पदभार संभाला

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने क्रिकेट की सर्वोच्च वैश्विक संस्था अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अध्यक्ष पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 वर्षीय शाह आईसीसी अध्यक्ष बनने वाले सबसे युवा व्यक्ति हैं। जय शाह को इस वर्ष अगस्त में आईसीसी का अध्यक्ष चुना गया था। वह आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर भी आईसीसी प्रमुख रह चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद जय शाह ने कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट को बढ़ावा देना और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना उनकी प्राथामिकता में है।

मासातो कांडा

एशियाई विकास बैंक के अगले अध्यक्ष होंगे

जापान के मासातो कांडा एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अगले अध्यक्ष होंगे। वह एडीबी में वर्तमान अध्यक्ष मासात्सुगु असकावा की जगह लेंगे और 24 फरवरी, 2025 से कार्यभार संभालेंगे। असकावा का कार्यकाल नवंबर 2026 तक था, लेकिन वह अपने पद से तय समय से पहले हट जाएंगे और उनका कार्यकाल कांडा पूरा करेंगे। एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने सर्वसम्मति से मासातो कांडा को एडीबी का 11वां अध्यक्ष चुना है। कांडा आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ हैं और वर्तमान में जापान के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के विशेष सलाहकार हैं।

इगा स्वितेक

डोप टेस्ट में विफल रहने पर लगा प्रतिबंध

पोलैंड की विश्व की नंबर दो महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वितेक पर डोप टेस्ट में विफल रहने पर एक महीने का प्रतिबंध लगा है। अंतर्राष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने बताया कि इस वर्ष अगस्त में हुए डोप टेस्ट में इगा विफल रही थीं। स्वितेक ने स्वीकार किया है कि उन्होंने नींद की समस्या के कारण अनजाने में मेलाटोनिन दवा का सेवा किया था। इगा ने एक माह का निलंबन स्वीकार कर लिया है। एजेंसी ने कहा कि स्वितेक की गलती का स्तर लापरवाही की सीमा के निचले स्तर पर था, इसलिए उन पर एक माह प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि स्वितेक ने अब तक पांच ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं।

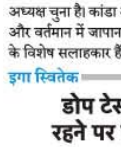

दिनेश भाटिया

ब्राजील में भारत के राजदूत नियुक्त

विदेश मंत्रालय ने भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी दिनेश भाटिया को ब्राजील में भारत का राजदूत नियुक्त किया है। वह इससे पहले अर्जेंटीना में भारत के राजदूत थे। वर्ष 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी दिनेश भाटिया के पास व्यापक कूटनीतिक अनुभव है। वह ऊरुग्वे, पैराग्वे, कोटे डि आइवर, गिनी और लाइबेरिया में भारत के राजदूत रह चुके हैं। साथ ही वह कनाडा के टोरंटो में उच्चायुक्त रह चुके हैं।

जी. बालासुब्रमण्यम

मालदीव में भारत के उच्चायुक्त बने

केंद्र सरकार ने जी. बालासुब्रमण्यम को मालदीव में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त किया है। बालासुब्रमण्यम वर्ष 1998 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं और इससे पहले नाइजीरिया में भारत के उच्चायुक्त के रूप में पदस्थ थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि आईएफएस अधिकारी जी. बालासुब्रमण्यम मालदीव में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त किए गए हैं।

डोना जीन वाइल्ड

कनाडाई महिला ने एक घंटे में 1575 पुशअप का बनाया रिकॉर्ड

कनाडा की 59 वर्षीय महिला डोना जीन वाइल्ड ने फिटनेस के मामले में एक और विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। डोना ने एक घंटे में 1575 पुशअप करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। डोना का यह कारनामा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। यह डोना का दूसरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

स्मृति शेष

ब्रिटिश लेखिका बारबरा टेलर ब्रैडफोर्ड का निधन

ब्रिटिश लेखिका बारबरा टेलर ब्रैडफोर्ड का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बारबरा की 40 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जो दुनियाभर में बेस्ट सेलर रही हैं। वर्ष 1979 में प्रकाशित पुस्तक 'ए वूमेन ऑफ सब्सटेंस' से लेखन की शुरुआत करने वाली बारबरा दुनिया की सबसे लोकप्रिय और धनी लेखिकाओं में शुमार थीं। 'ए वूमेन ऑफ सब्सटेंस' किताब को अब तक की दस सबसे ज्यादा बिकने वाली फिक्शन कृतियों में स्थान दिया गया है। वर्ष 2007 में महारानी एलिजाबेथ ने उन्हें ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर सम्मान से सम्मानित किया था।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जॉन टिनिसवुड का निधन

दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जॉन टिनिसवुड का 112 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। टिनिसवुड के परिवार ने बताया कि इंग्लैंड के साउथपोर्ट में एक ओल्ड एज केयर होम में उन्होंने अंतिम सांस ली। 26 अगस्त, 1912 में जन्में टिनिसवुड ने वेनेजुएला के 114 वर्षीय विसेंट पेरेज के निधन के बाद अप्रैल 2024 में दुनिया के सबसे बुजुर्ग जीवित व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

खनि निरीक्षक परीक्षा-2023 दिनांक 29.09.2024 (रविवार)
परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र. - 11982/16/2024/अनु.-10 **इंदौर, दिनांक : 03.12.2024**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा **खनि निरीक्षक परीक्षा-2023** हेतु विज्ञापन जारी किया गया था जिसका विवरण निम्नानुसार है :--

01. विज्ञापन क्रमांक-32/2023/27.09.2023, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 19.11.2023
(1) शुद्धि पत्र क्रमांक-1/32/2023 दिनांक 30.07.2024 (परीक्षा के आयोजन विषयक सूचना)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **खनि निरीक्षक परीक्षा-2023** जिला मुख्यालय इंदौर के केन्द्र पर दिनांक 29.09.2024 (रविवार) को एक सत्र में दोपहर 12:00 से 03:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित

क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST)	6	3	3	5	2	19
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	2	1	1	2	1	7
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (ExSer)	-	1	1	1	-	3
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	(PH-NA)					-

04. अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित लंबित न्यायालयीन प्रकरणों में माननीय न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम आदेश के प्रकाश में सामान्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल द्वारा जारी "पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर 2022 के अनुक्रम में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-32/2023 /27.09.2023 के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र. 55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :-

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्ट लिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेत इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

05. सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ. प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022 में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार खनि निरीक्षक परीक्षा-2023 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। चूंकि उपरोक्त परीक्षा के लिए विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-32/2023/27.09.2023 में अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु) पदों के रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :-

स. क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
01	खनि निरीक्षक	5	3	2

उपरोक्तानुसार **खनि निरीक्षक परीक्षा-2023** के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह **कुल-67** अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
MINING INSPECTOR EXAM 2023-PART A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.NO.	ROLL NO	S.NO.	ROLL NO	S.NO.	ROLL NO	S.NO.	ROLL NO
1.	100436	18.	102066	35.	102634	52.	103213
2.	100514	19.	102069	36.	102643	53.	103259
3.	100839	20.	102142	37.	102713	54.	103276
4.	100938	21.	102169	38.	102715	55.	103314
5.	101166	22.	102195	39.	102725	56.	103396
6.	101339	23.	102204	40.	102796	57.	103408
7.	101349	24.	102206	41.	102854	58.	103451
8.	101393	25.	102209	42.	102905	59.	103515
9.	101557	26.	102220	43.	102953	60.	103533
10.	101614	27.	102249	44.	102967	61.	103560
11.	101828	28.	102361	45.	102973	62.	103599
12.	101846	29.	102371	46.	103024	63.	103637
13.	101914	30.	102465	47.	103038	64.	103705
14.	101942	31.	102480	48.	103112	65.	103738
15.	102037	32.	102513	49.	103122	66.	103742
16.	102056	33.	102596	50.	103138	67.	103804
17.	102058	34.	102623	51.	103207		

प्रावधिक भाग-ब के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह **कुल-19** अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
MINING INSPECTOR EXAM 2023 - PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.NO.	ROLL NO	S.NO.	ROLL NO	S.NO.	ROLL NO	S.NO.	ROLL NO
1.	100354	6.	102441	11.	103130	16.	103539
2.	100403	7.	102506	12.	103211	17.	103647
3.	102060	8.	102673	13.	103247	18.	103698
4.	102075	9.	102754	14.	103423	19.	103719
5.	102190	10.	103029	15.	103440		

साक्षात्कार के लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :-

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्ट प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक :- 32/2023/27.09.2023	पद/परीक्षा का नाम :- खनि निरीक्षक परीक्षा- 2023
अनुक्रमांक :-	अभ्यर्थी का नाम :- .....

स. क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
3.	उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
7.	हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
9.	विज्ञापन अनुसार शैक्षणिक अर्हता- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भू-गर्भ विज्ञान के साथ विज्ञान में स्नातक की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि अथवा किसी मान्यता प्राप्त संस्था से खनिकर्म यांत्रिकी में पत्रोपाधि डिप्लोमा। (स्नातक परीक्षा दिनांक 19.11.2023 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य है) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
10.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
11.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.11.2023 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
12.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे)। (म.प्र शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.11.2023 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
13.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.11.2023 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
14.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष 2023 2024 का ई.डब्ल्यू. एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्रा (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.11.2023 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
15.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
16.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
17.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
18	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 19.11.2023 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रक की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....

19.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पैन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/ शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
20.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/ न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
21.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी अभिवचन पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
22.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....
23.	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)	पृष्ठ क्रमांक.....से.....तक	.....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- .....

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 24.12.2024** तक आयोग कार्यालय प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीद्वारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. आयोग की बैठक दिनांक 19.09.2024 के निर्णय क्रमांक-20 के निर्णयानुसार आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा/ लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूर्ण किए जाने वाले समस्त प्रकरणों में लिखित परीक्षा में सम्मिलित होकर साक्षात्कार हेतु अर्ह घोषित किए गए केवल ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त होते है एवं किसी कारणवश नहीं भेजे जाते है तो ऐसे आवेदकों से विलम्ब शुल्क के साथ आयोग कार्यालय में अभिलेख जमा करने हेतु निम्नानुसार राशि निर्धारित की गई है :-
आयोग द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि 24.12.2024 के पश्चात् कार्यालयीन दिवस/समय प्रातः 10:00 से सायं 06:00 बजे तक निम्नानुसार विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कराने के पश्चात अभिलेख जमा किए जा सकेंगे।

01.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कार्यालयीन 05 दिवस तक राशि रुपये 3,000 /- (तीन हजार मात्र)।	दिनांक 26.12.2024 से 01.01.2025 तक
02.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् 10 कार्यालयीन दिवस तक (अर्थात् 06 से 10 दिवस तक) राशि रुपये 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र)।	दिनांक 02.01.2025 से 08.01.2025 तक

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथियों के पश्चात् डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी **खनि निरीक्षक परीक्षा-2023** के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते है तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. खनि निरीक्षक परीक्षा-2023 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक TRANSFER PETITION (C) No. 1120 OF 2023 Dated 02.09.2024 एवं माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक-5596/2024, 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक-एस.एल.पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
8. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
9. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक-31 के अनुसार खनि निरीक्षक परीक्षा -2023 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् प्रश्न पत्र के दोनों खण्ड "अ" एवं "ब" के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
10. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 24.12.2024 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,
सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **खनि निरीक्षक परीक्षा-2023** के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-19840/50315/2024 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.)-482001
Phone No. : 0761-2621541, E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in

पत्र क्रमांक 03/स्था./भर्ती नि:शक्तजन/2024 **जबलपुर, दिनांक : 26.11.2024**

दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग का ज्ञाप क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, भोपाल के ज्ञाप क्रमांक 303/41/2021/पार्ट-3/528 भोपाल दिनांक 14.03.2024 एवं 303/41/2021/पार्ट-2/2010 भोपाल दिनांक 21.11.2024 में दिये गए निर्देशानुसार जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर के अंतर्गत सीधी भर्ती से दिव्यांगजनों के लिए सहायक ग्रेड-3 की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। आवेदन हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी/आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवेदन **दिनांक 10.12.2024 तक** कार्यालयीन समय 6.00 बजे सायंकाल तक आवेदन फार्म पंजीकृत डाक द्वारा जमा कर सकते हैं। विलंब से प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। अभ्यर्थी अपने आवेदन कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर, एप्पायर टॉकीज, सर्किट हाउस क्रमांक-1 के पास, आई.जी. कॉलोनी के सामने, साउथ सिविल लाइन जबलपुर (म.प्र.) पिनकोड-482001 के नाम से प्रेषित करें। डाक से हुए विलंब के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नलिखित है।

स. क्र.	पदनाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजन के लिये आरक्षित रिक्तियां ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता हेतु स्वीकृत पद	कुल योग	निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
1.	सहायक ग्रेड-3	तृतीय श्रेणी	पे बेंड 19500-62000 (सातवें वेतनमान के मैट्रिक लेवल 4) समय-समय पर देय भत्ते सहित	1	1	1. हायर सेकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 2. मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा/सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य। 3. म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) स्कोर कार्ड अभ्यर्थी को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक एवं हिन्दी टंकण में उत्तीर्ण होना अनिवार्य।	**16.12.2024**

नोट :– आवेदन पत्र का प्रारूप विभाग की वेबसाइट **www.mppwd.gov.in** पर उपलब्ध है।

मुख्य अभियंता लो.नि.वि.
जी-19773/50314/2024 **जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, अलीराजपुर (म.प्र.)

E-mail - cephedalirajpur@rediffmail.com

नि.सू.क्र. 12, 14/टेण्डर/लो.स्वा.यां./2024 **अलीराजपुर, दिनांक : 29.11.2024**

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्युरमेन्ट पोर्टल **https://mptenders.gov.in/** पर निविदा प्रपत्र "अपेन्डिक्स 2.10" प्रतिशत दर पर आमंत्रित है। निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	ई-टेण्डर का क्रमांक	कार्य की अनुमा. लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु.	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम तिथि
Demolishing of old damaged Handpump platforms and Construction of Handpump platforms in various villages of Block Alirajpur, Sondwa Katthiwada and CSA Nagar District-Alirajpur.					
1	2024_PHED_383172_1	6.75	13500/-	2000/-	16.12.2024
2	2024_PHED_383174_1	5.40	10800/-	2000/-	16.12.2024

1. यह केवल संक्षिप्त निविदा है जो प्रकाशनार्थ जारी की जा रही है। निविदाओं से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
2. उपरोक्त निविदाओं में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। उक्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-19845/50316/2024 **लो.स्वा.यां. खण्ड अलीराजपुर**

मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज, खण्डवा

(क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन से सम्बद्धता प्राप्त एवं बार कौंसिल ऑफ इण्डिया नई दिल्ली से सम्बद्धता अनुमोदित) (E-mail : motilal.nehlaw@gmail.com)

आवश्यकता है

(प्राचार्य, प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं लायब्रेरियन पद हेतु)

दी लॉ एज्युकेशन सोसायटी, खण्डवा द्वारा संचालित-मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज, खण्डवा में कॉलेज कोड 28 के अंतर्गत नियुक्ति के लिए निम्नलिखित रिक्त पदों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित है :-

क्र.	पद	पद संख्या	योग्यता
1.	प्राचार्य	01 (एक)	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शैक्षणिक योग्यता के साथ विधि विषय में PhD उपाधि एवं विधि स्नातकोत्तर उपाधि (LL.M. न्यूनतम 55% अंकों सहित) एवं UGC (NET) अपेक्षित है साथ ही न्यूनतम 15 वर्ष का शैक्षणिक अनुभव व एकेडमिक/रिसर्च गतिविधि में 120 अंका (वेतन UGC के नियमानुसार)
2.	प्राध्यापक/ सह-प्राध्यापक	02 (दो)	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शैक्षणिक योग्यता के साथ विधि विषय में PhD उपाधि एवं विधि स्नातकोत्तर उपाधि (LL.M.न्यूनतम 55% अंकों सहित) एवं UGC (NET) परीक्षा उत्तीर्ण अनिवार्य है। साथ ही न्यूनतम 10 से 15 वर्ष का शैक्षणिक अनुभवा (वेतन UGC के नियमानुसार)
3.	सहायक प्राध्यापक	04 (चार)	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शैक्षणिक योग्यता के साथ विधि विषय में PhD उपाधि एवं विधि स्नातकोत्तर उपाधि (LL.M. न्यूनतम 55% अंकों सहित) एवं UGC (NET) परीक्षा उत्तीर्ण अनिवार्य है। साथ ही न्यूनतम 01 से 05 वर्ष का शैक्षणिक अनुभवा (वेतन UGC के नियमानुसार)
4.	लाईब्रेरियन	01 (एक)	M.Lib 55% NET/SLET) होना आवश्यक है। साथ ही न्यूनतम 01 से 05 वर्ष का शैक्षणिक अनुभवा (वेतन UGC के नियमानुसार)

1. आवेदक प्रमाण पत्रों की अभिप्रमाणित छाया प्रति एवं फोटो के साथ आवेदन, दिनांक 31.12.2024 तक सचिव, दी लॉ एज्युकेशन सोसायटी, खण्डवा (मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज, सिविल लाइन्स, खण्डवा) के पते पर प्रेषित करें।
2. उक्त साक्षात्कार में सभी श्रेणी के उम्मीदवारों को अपने स्वयं के व्यय पर उपस्थित होना होगा। इसके लिये संस्था से कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। पदों की संख्या में परिवर्तन या विज्ञप्ति निरस्त करने का अधिकार दी लॉ एज्युकेशन सोसायटी, खण्डवा के पास सुरक्षित है।

सचिव

मानव अधिकारों की संरक्षा, प्रत्येक राष्ट्र का प्राथमिक कर्तव्य है

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1948 में दस दिसम्बर को मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूनीवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स) को अपनाया था। इसी तिथि को प्रतिवर्ष इस घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले देश- "विश्व मानव अधिकार दिवस" मनाते हैं। मानवाधिकारों की इस सार्वभौम घोषणा के अन्तर्गत मानवीय दृष्टिकोण और राज्य तथा व्यक्ति के बीच सम्बन्ध को लेकर कुछ सामान्य बुनियादी मूल्यों के एक समुच्चय को संस्थापित किया गया था। समानता, शान्ति, न्याय, स्वतंत्रता और मानव गरिमा की सुरक्षा को बढ़ावा देना। प्रत्येक व्यक्ति को जाति, रंग, धर्म, लिंग, भाषा या सामाजिक स्थिति के भिन्न होने के बावजूद, मानवाधिकारों का हकदार बनाना प्रत्येक राष्ट्र का प्राथमिक लक्ष्य है। सरल शब्दों में कहें तो मानवाधिकारों का आशय ऐसे अधिकार से है जो जाति, लिंग, राष्ट्रीयता भाषा, धर्म या किसी अन्य आधार पर भेदभाव किये बिना सभी को प्राप्त होते हैं। मानवाधिकारों में मुख्यतः जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार, काम एवं शिक्षा का अधिकार आदि शामिल हैं। मानवाधिकार के महत्व और उसकी संरक्षा के सम्बन्ध में नेल्सन मण्डेला ने बहुत सही कहा था कि लोगों को उनके मानवाधिकारों से वंचित करना उनकी मानवता को चुनौती देना है।

सार्वभौम घोषणा को कन्वेंशन ने सोद्देश्य बनाया

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के साथ समय-समय पर समान उद्देश्यों के लिये हुए कुछ सम्मेलनों (कन्वेंशन) से भी इस घोषणा को और भी सोद्देश्य एवं प्रासंगिक बनाने में सहायता मिली। इनमें वर्ष 1948 में नरसंहार पर केन्द्रित -"कन्वेंशन ऑन द प्रिवेंशन एण्ड पनिशमेंट ऑफ द क्राइम ऑफ जेनोसाइड", वर्ष 1965 में नस्लभेद के सभी स्वरूपों पर केन्द्रित - "इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन द एलिमिनेशन ऑफ ऑल फॉर्म ऑफ रेसियल डिस्क्रिमिनेशन", वर्ष 1979 में महिलाओं के साथ लिंगभेद पर केन्द्रित - "कन्वेंशन ऑन द एलिमिनेशन ऑफ ऑल फॉर्म ऑफ डिस्क्रिमिनेशन अगेन्स्ट विमेन, वर्ष 1989 में बाल अधिकारों पर केन्द्रित कन्वेंशन और वर्ष 2006 में नि:शक्त व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन प्रमुख हैं।

मानवाधिकारों की घोषणा पर प्रभावी अमल के लिये- "मानवाधिकार परिषद" की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। मानवाधिकार परिषद संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक अंतर-सरकारी निकाय है जो कि मानव अधिकारों के सम्वर्द्धन और संरक्षण की दिशा में कार्य करती है। यह संयुक्त राष्ट्र के सैंतालीस सदस्य देशों से मिलकर बनी है, जिनका चयन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा किया जाता है। सार्वभौमिक आवधिक समीक्षा (यूनिवर्सल पीरियाडिकल रिव्यू) प्रक्रिया को मानवाधिकार परिषद का सबसे अनूठा प्रयास माना जाता है। इस अनूठे तंत्र के अंतर्गत प्रत्येक चार वर्ष में एक बार संयुक्त राष्ट्र के सभी 192 सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा की जाती है। मानवाधिकार के लिए उच्चायुक्त का कार्यालय (ऑफिस ऑफ दी ह्यूमन राइट्स हाई कमिश्नर) मानवाधिकार परिषद के सचिवालय के रूप में कार्य करता है।

भारतीय संविधान में शामिल हैं मानवाधिकारों के प्रावधान

भारत में मानवाधिकारों का जहां तक सवाल है भारतीय संविधान में इसके लिये समुचित प्रयास किये गये हैं। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा में उल्लेखित लगभग सभी अधिकारों को भारतीय संविधान में दो हिस्सों (मौलिक अधिकार और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत) में शामिल किया गया है। मौलिक अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक में सम्मिलित किया गया है। इसमें समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार शामिल है।

राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक अन्य अधिकारों को सम्मिलित किया गया है, इसमें सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, काम का अधिकार, रोज़गार चयन का अधिकार, बेरोजगारी के विरुद्ध सुरक्षा, समान काम तथा समान वेतन का अधिकार, मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार तथा मुफ्त कानूनी सलाह का अधिकार आदि शामिल हैं। संवैधानिक प्रावधान के अन्तर्गत ही मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 को पारित कर केंद्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के गठन की बात कही गई थी, जो कि संविधान में प्रदान किये गए मौलिक अधिकारों के संरक्षण और उससे संबंधित मुद्दों के लिये राज्य मानवाधिकार आयोग और मानवाधिकार न्यायालयों का मार्गदर्शन करेगा। इसी अधिनियम के परिपालन में 12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किया गया।

मानव अधिकार की संरक्षा और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

देश में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर 1993 को हुई थी। इसकी स्थापना मानवाधिकार संरक्षण सम्बन्धी पेरिस सम्मेलन के संकल्पों और मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के परिपालन में की गई है। यह आयोग देश में मानवाधिकारों का सजग प्रहरी है। यह संविधान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सन्धियों में निर्मित व्यक्तिगत अधिकारों का संरक्षक है। यह एक बहु सदस्यीय निकाय है। इसके प्रथम अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र थे। इसके अध्यक्ष व सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष या आयु 70 वर्ष (जो भी पहले पूर्ण हो जाए) के अनुरूप होता है। इसके अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा गठित एक समिति की सिफारिश पर होती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कार्य व शक्तियों का जहां तक प्रश्न है इसका मुख्य कार्य मानवाधिकार का संरक्षण करना है।

इस वर्ष की थीम

संयुक्त राष्ट्र द्वारा विशिष्ट लक्ष्य के साथ जो दिवस प्रवर्तित होते हैं कमोबेश उन सभी दिवस को एक थीम के अनुशासन से आबद्ध किया जाता है और उसी थीम से उस दिन के आयोजन की दिशा तय होती है। इसी परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष- "विश्व मानवाधिकार दिवस" की भी थीम तय करता है। विश्व मानवाधिकार दिवस 2024 की थीम रखी गई है- अवर राइट्स, अवर फ्यूचर, राइट नाउ, वर्ष 2023 में थीम रखी गई थी- "सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय" इस थीम में मानवाधिकारों के लक्ष्य को सुपरिभाषित किया था। मानवाधिकारों में स्वतंत्रता को सबसे ज्यादा अहमियत दी जाती है। इसी तरह वर्ष 2022 में थीम रखी गई थी- "गरिमा, स्वतंत्रता और सभी के लिए न्याय"। वर्ष 2021 में मानवाधिकार के बारे में यह संदेश दिया गया कि समानता जरूरी है, असमानताओं को कम करके ही, मानव अधिकारों को आगे बढ़ाया जा सकता है। वर्ष 2020 में जब विश्व कोविड -19 अर्थात् कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब मानवाधिकार दिवस की थीम थी- "फिर से बेहतर-मानव अधिकारों के लिए खड़े हो जाओ"। यह विषय कोरोना महामारी के मद्देनजर रखा गया था। इस मौके पर तत्कालीन यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने एक वीडियो संदेश जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी का मुकाबला करने के लिए प्रयासों, लैंगिक समानता, जनभागीदारी, जलवायु न्याय और टिकाऊ विकास में- मानवाधिकारों को केंद्रीय महत्व देने की आवश्यकता है।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग
से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय नगर परिषद मिहोना, जिला भिण्ड (म.प्र.)

क्रमांक/स्था./2024/भर्ती/748 मिहोना, दिनांक : 29.11.2024

विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/स्था/एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर **दिनांक 15.12.2024** को कार्यालयीन समय 06.00 बजे सायंकाल तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है :-

संविदा पद

क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टि बाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटेक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता		
1.	जनसेवक (सफाई कर्मचारी)	चतुर्थ	8000 अथवा प्रचलित कलेक्टर दर अनुसार अकुशल श्रेणी की निर्धारित मासिक राशि	00	00	00	01	05वीं उत्तीर्ण	-

मुख्य शर्तें :-

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने के उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावे।
3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1-3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग-अनु.जा., अनु.जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/नि:शक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।
4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. पदों के लिये निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता में प्राप्तांकों के आधार पर प्रवीण्य सूची तैयार की जावेगी तथा प्रवीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जावेगा।
6. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लेकर आना अनिवार्य है।
7. दिव्यांगता के डिजिटल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता दिनांक 01.06.2021 से लागू की गई है। अतः उक्त तिथि की पूर्व जारी मेन्यूअल दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी मान्य होगा।
8. शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्थाओं/कार्यालयों में कार्यरत आवेदनकर्ता अपना आवेदन पत्र नियुक्तिकर्ता अधिकारी के माध्यम से प्रेषित करेंगे, सीधे आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।
9. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा।
10. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
11. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
12. आवेदक को इस विज्ञापन के साथ संलग्न निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र ए-4 साइज पेपर पर होना चाहिये जिसके निर्धारित स्थान पर आवेदक के हस्ताक्षर हो तथा निर्धारित स्थान पर आवेदक का नवीनतम, पासपोर्ट साइज का रंगीन फोटोग्राफ होना चाहिये।
13. आवेदक लिफाफे पर अपना पूरा नाम एवं पता जैसा उसने अपने आवेदन में लिखा है स्पष्ट लिखना होगा तथा लिफाफे के ऊपर आवेदित पद का नाम लिखना होगा।
14. भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निकाय से प्राप्त की जा सकती हैं।
15. निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक के माध्यम से इन निकाय में विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। उपरोक्त के लिये निकाय अभ्यर्थी को लिखित जानकारी दिये जाने के लिये उत्तरदायी नहीं होगा।
16. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।
17. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक पूर्ण करता है।
18. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
19. सीधी भर्ती के पदों पर आवेदक राष्ट्रीय पेंशन योजना, 2005 अंतर्गत नियुक्त होंगे।
20. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।
21. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण हैं एवं विहित प्रारूप में नहीं हैं वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हों तो रूपांतरित किये गये हों वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हों, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे।
22. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग हैं या जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।
23. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के नि:शक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।
24. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यर्थी जिसके 02 से अधिक जीवित संतानें हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हुआ है तो ऐसा अभ्यर्थी नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक संतानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा।
25. दिव्यांगजनों हेतु चिन्हांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगरपालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेगी।
26. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी के पास सुरक्षित होंगे।
27. उपरोक्त विज्ञापन का अवलोकन एवं आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट **www.mpurban.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

(संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास ग्वालियर/चम्बल संभाग ग्वालियर द्वारा अनुमोदित)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मिहोना, जिला भिण्ड

आर-50326/2024

स्टेट हेल्थ सोसाइटी बिहार

पद का नाम - आयुष चिकित्सक (आयुर्वेदिक), आयुष चिकित्सक (होम्योपैथी), आयुष चिकित्सक (यूनानी)
पदों की संख्या - 2619
योग्यता - बीएएमएस/ बीएचएमएस/ बीयूएमएस की डिग्री होना अनिवार्य
अंतिम तिथि - 21 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://shs.bihar.gov.in

उत्तरप्रदेश अधिनस्थ सेवा चयन आयोग

पद का नाम - स्टेनोग्राफर
पदों की संख्या - 661
योग्यता - माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तरप्रदेश की इंटरमीडिएट परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा कम्प्यूटर पाठ्यक्रम उत्तीण हो तथा हिन्दी आशुलेखन एवं हिन्दी टंकण में क्रमशः 80 शब्द प्रति मिनट तथा 25 शब्द प्रति मिनट की गति होना आवश्यक।
अंतिम तिथि - 25 जनवरी, 2025
वेबसाइट - https://upsssc.gov.in

दक्षिण पूर्वी रेलवे

पद का नाम - अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 1785
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक या दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो तथा संबंधित ट्रेड में आई.टी.आई. सर्टिफिकेट हासिल किया हो।
अंतिम तिथि - 27 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://nitrd.nic.in

भारत का सर्वोच्च न्यायालय

पद का नाम - कोर्ट मास्टर (शॉर्टहैंड), वरिष्ठ निज सहायक, निज सहायक
पदों की संख्या - 107
योग्यता - कोर्ट मास्टर के लिए कानून (एलएलबी) की डिग्री तथा अन्य के लिए स्नातक की डिग्री।
अंतिम तिथि - 25 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.sci.gov.in/recruitments

जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

पद का नाम - सहायक प्रबंधक (स्केल-I)
पदों की संख्या - 110
योग्यता - संबंधित विषयों में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री।
अंतिम तिथि - 19 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.gicre.in

पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन

पद का नाम - ऑफिसर ट्रेनी (पर्यावरण प्रबंधन, सामाजिक प्रबंधन, मानव संसाधन, जनसम्पर्क)
पदों की संख्या - 73
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 दिसंबर, 2024
वेब. - https://www.powergrid.in

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान

पद का नाम - असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड-I, असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड-II
पदों की संख्या - 33
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से बीई/बीटेक, एमटेक/एमई/ एमएस या इंजीनियरिंग में इंटीग्रेटेड अंडर ग्रेजुएट/पोस्ट ग्रेजुएट या पीएचडी की उपाधि
अंतिम तिथि - 19 दिसंबर, 2024
वेब. - https://www.manit.ac.in

आयकर अपीलीय अधिकरण

पद का नाम - वरिष्ठ निजी सचिव, निजी सचिव
पदों की संख्या - 35
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://itat.gov.in

रेलवे भर्ती सेल, पूर्वी रेल

पद का नाम - खेल-कूद कोटे के तहत खिलाड़ियों की भर्ती
पदों की संख्या - 60
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.rrcer.org

नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण

पद का नाम - सहायक निदेशक (ईडीपी), वरिष्ठ लेखा अधिकारी, लेखा अधिकारी ग्रेड-I, विधि अधिकारी ग्रेड-I, उप निदेशक (अनुसंधान), वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, सहायक यातायात प्रबंधक, सहायक लेखा अधिकारी, सहायक अभियंता (सिविल), अभियंता ग्रेड-II, कनिष्ठ निदेशक, मास्टर ग्रेड-II, विभागाध्यक्ष का पीए, उप निदेशक (ईडीपी), सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल), सहायक अभियंता (मैकेनिकल), सहायक सचिव ग्रेड-I, खेल अधिकारी
पदों की संख्या - 33
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://newmangalore-port.gov.in

मुख्य आयुक्त का कार्यालय केंद्रीय माल, सेवा कर एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क

पद का नाम - कर सहायक, हवलदार
पदों की संख्या - 14
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 दिसंबर, 2024
वेबसाइट - https://cgstranchizone.bih.nic.in

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

पद का नाम - कनिष्ठ तकनीकी सहायक (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, यांत्रिकी), तकनीशियन 'बी' (इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, यांत्रिकी)
पदों की संख्या - 19
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 दिसंबर, 2024
वेबसाइट- https://www.celindia.co.in/career

नैनीताल बैंक

पद का नाम - कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट
पदों की संख्या - 25
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री।
अंतिम तिथि - 22 दिसंबर, 2024
वेब. - https://www.nainitalbank.co.in

राष्ट्रीय क्षय एवं श्वसन रोग संस्थान

पद का नाम - वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (एपिडेमियोलॉजी), विशेषज्ञ ग्रेड-II (माइक्रोबायोलॉजी), विशेषज्ञ ग्रेड-II (थोरैसिक सर्जरी)
पदों की संख्या - 03
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 दिसंबर 2024
वेबसाइट - https://nitrd.nic.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला - शहडोल

नैसर्गिक सुंदरता और खनिज उत्पादन से परिपक्व है शहडोल

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज, जलवायु, खनिज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है शहडोल जिले का परिचय-

शहडोल जिले का शहडोल शब्द सहस्त्र डोल के नाम की पहचान रखता है। शहडोल को महाभारत काल में विराट नगर के नाम से जाना जाता था। यह राज्य में क्षेत्रफल की दृष्टि से सभी जिलों में 23वें स्थान पर है। यह दक्षिण पूर्व में अनूपपुर, उत्तर में सतना और सीधी और पश्चिम में उमरिया से घिरा हुआ है। शहडोल जिले में 6 तहसीलें ब्यौहारी, जयसिंह नगर, सोहागपुर, गोहपाऊ, बुढ़ार तथा जैतपुर शामिल हैं जिसमें 3 विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी, जयसिंह नगर तथा जैतपुर हैं। शहडोल जिले का क्षेत्र मुख्यत: पहाड़ी है। जिला शहडोल के निकटवर्ती जिले डिंडोरी, सतना, सीधी, उमरिया, अनूपपुर और रीवा हैं।

जिला दक्कन के पठार के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है। यह सतपुड़ा पर्वत की मैकल पर्वतमाला, विंध्य पर्वत की कोमोर पर्वतमाला के समानांतर पहाड़ियों का एक समूह है, जो बिहार में छोटा नागपुर पठार तक फैला हुआ है। इन पहाड़ियों के बीच में सोन और इसकी सहायक नदियों की घाटी है। कोमोर रेंज सोन के साथ-साथ उत्तरी सीमा के पार तक फैली है, इस तरह जिले को तीन भौगोलिक क्षेत्र में विभाजित किया जा सकता है। मैकल श्रेणी, पूर्वी पठार की पहाड़ियां और ऊपरी सोन घाटी।

खनिज संपदा - सोहागपुर में मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। यूरेनियम, कोल बेड मीथेन, गैल गैस, रिलायंस इंडस्ट्री को कोल बेड मीथेन के

भंडार प्राप्त हुए हैं।

उद्योग - वर्ष 1965 में ओरियेंट पेपर मिल और अमलाई में बिरला समूह प्रमुख हैं।

उपज

सहजन (मुनगा) - शहडोल जिले में सहजन का बहुतायत में उत्पादन होता है एवं अन्य राज्य में निर्यात किया जाता है।

लोकप्रिय खाद्य : कुटकी खीर, रसाज कढ़ी उत्सव के अवसर पर।

एक जिला एक उत्पाद

जिले में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। हल्दी एक जिला एक उत्पाद में शामिल है। उत्पादन में सहयोग के अलावा किसानों, स्व-सहायता समूहों, कृषक संगठनों तथा युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रचार-प्रसार के लिये आवश्यक सुविधाएं तथा मंच प्रदान किया जाता है।

हल्दी

हल्दी (टर्मेरिक) यह भारतीय वनस्पति है, यह अदरक की प्रजाति का 5 से 6 फिट बढ़ने वाला पौधा है, इसकी जड़ की गाठों में हल्दी मिलती है। हल्दी को आयुर्वेद में प्राचीनकाल से ही एक चमत्कारी दृव्य के रूप में मान्यता प्राप्त है, इसे हल्दी के अतिरिक्त हरिद्रा, कुरकुमा, लौंगा, गौरी वट्ट विलासनी, कुमकुम टर्मरिक नाम दिये गए हैं। आयुर्वेद में हल्दी एक महत्वपूर्ण औषधि मानी गई है। भारतीय रसोई में इसका महत्वपूर्ण स्थान है।

मानसून की पहली वर्षा होते ही हल्दी की खेती हेतु भूमि को तैयार किया जाता है, वर्षा के अनुसार अप्रैल से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक बुवाई की जा सकती है। हल्दी की रोमा, सुरोमा, सगुणा, सुदर्शना, प्रभा, रश्मि, बी.एस.आर. प्रतिभा आदि प्रमुख प्रजातियां हैं।

हल्दी की प्रोसेसिंग

हल्दी की खुदाई के उपरान्त अच्छे से साफ कर उन्हें तांबा एवं लोहे की कढ़ाइयों में 45 से 60 मिनट तक उबाला जाता है। अच्छी तरह से उबलने के बाद, उबले हुए कन्दों को धूप में चटाई पर फैलाकर सुखाया जाता है। यह 10 से 15 दिनों में सूख जाती है। सूखी हुई गांठों को हस्त चलित या मशीन चलित ड्रमों के उपयोग से पॉलिशिंग की जाती है, पॉलिश उपरान्त सूखी गांठों में 02 प्रतिशत हल्दी का पिसा हुआ पाउडर मिलाकर पुन: इनकी पॉलिशिंग की जाती है। जिससे सूखे हुए कंद काफी आकर्षक हो जाते हैं यही हल्दी बाजार में विक्रय हेतु भेजी जाती है तथा इसी को पीसने के उपरान्त हल्दी पाउडर बनता है।

वित्तीय अनुदान सहायता

हल्दी के उत्पादन के लिये शासकीय स्तर पर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद उन्नयन योजना अन्तर्गत कृषकों तथा व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये जिले के मुख्य उत्पाद को बढ़ावा दिये जाने तथा उत्पादित फसल की प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित किये जाने के लिये अनुदान सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

एक नज़र में

क्षेत्र : 6,205 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या : 10,66,063
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
भाषा : हिंदी, बघेली
पुरुष : 5,40,021
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
महिला : 5,26,042
(वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)

उत्सव

बाणगंगा मेला- इस मेले की शुरुआत तात्कालीन रीवा महाराजा गुलाब सिंह ने

1895 में की थी। तब से बाणगंगा में निरंतर मेले की परांपरा चली आ रही है। मुख्य रूप से मेले में कल्चुरीकालीन विराट मंदिर के प्रांगण में स्नान उपरांत दान-पुण्य किया जाता था। व्यापक स्वरूप में आयोजित यह मेला मेल-मिलाप, उत्साह और पुरातन परम्पराओं को समेटे हुए जनजातियों के प्रकृति प्रेम का साक्षी है। जब मेले की शुरुआत हुई थी, तब यह तीन दिन तक ही रहता था। अब यह 5 दिन तक लगने लगा है।

पर्यटन स्थल

कंकाली मंदिर - कंकाली मंदिर गांव अंतरा में स्थित है।

विराट मंदिर - सोहागपुर बाणगंगा में भगवान शिव का विराटेश्वर मंदिर है।

पुरातात्विक अभिलेख

- अंतरा में कुषाणकालीन सिक्के प्राप्त हुए हैं।
- सारू-मारू अभिलेख अशोककालीन अभिलेख (जयसिंह नगर)।
- पाण्डवकालीन लखबरिया गुफा।

विशेष परियोजनाएं

बाणसागर या बानसागर बांध एक बहुउद्देशीय नदीघाटी परियोजना है, जो सोन नदी पर मध्यप्रदेश के गंगा बेसिन में स्थित है। इसमें सिंचाई तथा जल विद्युत उत्पादन दोनों उद्देश्य पूर्ण हो रहे हैं।

- बाणसागर परियोजना (देवलोंद, सोन नदी)।
- बाणसागर बांध का नाम कवि बाणभट्ट के नाम पर पड़ा।
- बाणसागर बांध की नींव 1978 में प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई ने रखी।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

अर्जुन ऐरिगैसी ने हासिल की 2800 ईएलओ रेटिंग

नई दिल्ली, भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन ऐरिगैसी ने शतरंज में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अर्जुन ने शतरंज में गोल्ड स्तर की 2800 ईएलओ रेटिंग हासिल की है। अर्जुन यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के 16वें शतरंज खिलाड़ी हैं। अर्जुन से पहले महान भारतीय खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद यह कारनामा कर चुके हैं। शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे ने कहा कि अर्जुन ऐरिगैसी क्लासिकल शतरंज रेटिंग में 2800 ईएलओ अंक अर्जित करने वाले विश्व के 16वें खिलाड़ी बन गए हैं। फिडे ने कहा कि इस माह की शुरुआत में जारी रेटिंग सूची में अर्जुन के 2801 अंक हैं। इस वर्ष बेहतरीन फॉर्म में चल रहे अर्जुन ने हाल ही में शतरंज ओलिंपियाड में भारत के एतिहासिक प्रदर्शन के दौरान व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हुआ राजी

हाइब्रिड मॉडल पर खेली जाएगी चैम्पियंस ट्रॉफी

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सख्ती के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाइब्रिड मॉडल पर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए सहमत हो गया है। लेकिन पाकिस्तान ने रणनीतिक आधार पर आईसीसी के सामने बड़ी मांग रखी है। पीसीबी ने कहा कि वह हाइब्रिड मॉडल को तभी स्वीकार करेगा, जब आईसीसी यह सुनिश्चित कर ले कि वह हाइब्रिड मॉडल को वर्ष 2031 तक प्रत्येक आईसीसी टूर्नामेंट में लागू करे।

पाकिस्तान की इस मांग का अर्थ होगा कि वर्ष 2031 तक भारत अगर किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करता है, तो पाकिस्तान के मैच किसी अन्य देश में खेले जाएंगे। वर्ष 2031 तक भारत को कुल 3 आईसीसी टूर्नामेंट्स की मेजबानी करनी हैं। भारत वर्ष 2026 में श्रीलंका के साथ मिलकर आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप का आयोजन करेगा, वहीं वर्ष 2029 में

- **इससे पहले वर्ष 2017 में आयोजित हुआ था टूर्नामेंट।**
- **भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दो-दो बार जीती है चैम्पियंस ट्रॉफी।**
- **दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान एक-एक बार बने हैं चैम्पियन।**
- **भारत वर्ष 2029 में करेगा इस टूर्नामेंट की मेजबानी।**

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी भारत के पास है। इसके अलावा भारत वर्ष 2031 में बांग्लादेश के साथ मिलकर आईसीसी वन-डे विश्वकप की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई ने पीसीबी की इस मांग को खारिज कर दिया है।

इसके अलावा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल अपनाने के लिए आईसीसी के सामने वित्तीय भत्ते की भी मांग की है। पीसीबी ने मांग की है कि आईसीसी बोर्ड राजस्व में वित्तीय चक्र में उसके हिस्से को 5.75 प्रतिशत बढ़ा दे।

पाकिस्तान में नहीं खेलेगी भारतीय टीम

पाकिस्तान को फरवरी 2025 में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान में भेजने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान में भारतीय टीम को खतरा है, इसी वजह से भारत सरकार ने किसी भी हाल में भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने की मंजूरी नहीं दी है। भारत ने मांग की थी कि एशिया कप की तरह चैम्पियंस ट्रॉफी भी हाइब्रिड मॉडल पर खेली जाए।

क्या है हाइब्रिड मॉडल

पीसीबी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमत हो गया है, ऐसे में यह जानना जरूरी है कि हाइब्रिड मॉडल क्या है। हाइब्रिड मॉडल के तहत चैम्पियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान होगा, लेकिन भारत अपने सभी मैच पाकिस्तान के बाहर संभवत: दुबई में खेलेगा। भारतीय टीम यदि सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचती है तो ये मैच दुबई या तटस्थ मैदान पर खेले जाएंगे। यदि भारतीय टीम सेमीफाइनल या फाइनल में नहीं पहुंचती है तो ये मुकाबले लाहौर में आयोजित होंगे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई जर्सी लॉन्च

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने वन-डे फॉर्मेट के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई जर्सी का अनावरण किया। भारतीय महिला टीम इस जर्सी को इस महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वन-डे सीरीज के दौरान पहनेगी। यह सीरीज 22 दिसंबर से वड़ोदरा में खेली जाएगी। इस अवसर पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि जर्सी का अनावरण करना मेरे लिए सम्मानजनक है और वास्तव में खुशी है कि हमें वन-डे फॉर्मेट के लिए विशेष जर्सी मिली है।

यामल ने जीता वर्ष 2024 का गोल्डन बॉय पुरस्कार

रोम, बार्सिलोना के युवा फॉरवर्ड खिलाड़ी लैमिन यामल ने वर्ष 2024 का गोल्डन बॉय पुरस्कार जीता है। वर्ष 2003 से शुरू हुए गोल्डन बॉय पुरस्कार से यूरोप में 21 वर्ष या इससे कम उम्र के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर को पुरस्कृत किया जाता है। यामल ने इस सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने स्पेनिश लीग ला लीगा में बार्सिलोना के लिए 12 लीग मैचों में 5 गोल दागे हैं। यामल ने इस वर्ष यूरो कप में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पेन को खिताबी जीत दिलाने में अहम योगदान दिया था।

आईसीसी ने स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड और न्यूजीलैंड पर लगाया जुर्माना

दुबई, आईसीसी ने न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमों पर कार्यवाही करते हुए उनके तीन-तीन डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए हैं। आईसीसी के इस फैसले के बाद आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ रोचक हो गई है। आईसीसी ने यह फैसला दोनों टीमों के बीच क्राइस्टचर्च में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण लिया है। आईसीसी ने दोनों टीमों पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना और तीन-तीन डब्ल्यूटीसी अंक काटने का फैसला किया है।

आईसीसी के इस फैसले से न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है और वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो गया है। न्यूजीलैंड अब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान से पांचवें स्थान पर खिसक गया है। वहीं टेस्ट मैच जीतने के बावजूद इंग्लैंड फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो गया है। डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारत 61.11 प्रतिशत अंकों के साथ पहले स्थान पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका (59.26 प्रतिशत अंक) दूसरे, ऑस्ट्रेलिया (57.26 प्रतिशत अंक) तीसरे और श्रीलंका (50 प्रतिशत अंक) चौथे स्थान पर है।

मेलबर्न रेनेगेड्स ने जीती महिला बिग बैश लीग

मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया की महिला ट्वेंटी-20 लीग (महिला बिग बैश लीग) का खिताब मेलबर्न रेनेगेड्स ने जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में मेलबर्न रेनेगेड्स ने ब्रिस्बेन हीट्स को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 7 रन से हराया। मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 141 रन बनाए। मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए हीली मैथ्यू ने सबसे ज्यादा 69 रन बनाए। बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और ब्रिस्बेन हीट्स को जीत के लिए 12 ओवरों में 98 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला, लेकिन ब्रिस्बेन हीट्स की टीम 12 ओवरों में 90 रन ही बना सकी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने पहली बार महिला बिग बैश लीग का खिताब जीता है।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती कतर ग्रांप्री रेस

लुसैल, नीदरलैंड्स के दिग्गज कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने एक बार फिर फॉर्मूला-वन सर्किट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कतर ग्रांप्री रेस का खिताब जीता है। वर्स्टापेन ने 57 लैप की इस रेस को एक घंटा 31 मिनट 05.323 सेकेंड में पूरा किया। रेस में चार्ल्स लेक्लर्क दूसरे, ऑस्कर पिएस्त्री तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे और पिएरे गास्ली पांचवें स्थान पर रहे। इस सत्र में वर्स्टापेन की यह नौवीं जीत है। वर्स्टापेन इस रेस से पहले ही फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप अपने नाम कर चुके हैं।

सिद्धार्थ कौल ने क्रिकेट से लिया संन्यास

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। सिद्धार्थ वर्ष 2008 में विराट कोहली की कप्तानी में आईसीसी अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। सिद्धार्थ ने भारत के लिए 3 वन-डे और 3 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। सिद्धार्थ ने 29 जून, 2018 को आयरलैंड के खिलाफ ट्वेंटी-20 मैच से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

सैयद मोदी टूर्नामेंट

पीवी सिंधु बनीं चैम्पियन

लखनऊ, भारत की अनुभवी महिला शटलर पी.वी. सिंधु ने दो वर्ष का खिताबी सूखा खत्म करते हुए सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने चीनी की वू लुओ यू को सीधे गेमों में 21-14, 21-16 से हराया।

फाइनल मुकाबले में सिंधु ने 5-3 की बढ़त के साथ शानदार शुरुआत की थी, लेकिन चीनी शटलर ने सिंधु को जबरदस्त टक्कर दी और स्कोर लाइन 11-9 कर दी थी, इसके बाद सिंधु ने शानदार खेल दिखाया और लगातार अंक अर्जित कर 21-14 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में वू ने सिंधु के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश की। गेम में एक समय वू ने 11-10 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद सिंधु ने पलटवार किया और नजदीकी अंतर से गेम अपने नाम कर खिताब हासिल किया।

पुरुष वर्ग में लक्ष्य बने विजेता

प्रतियोगिता में पुरुष एकल वर्ग का खिताब भारत के लक्ष्य सेन ने जीता। लक्ष्य ने पहली बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है। लक्ष्य ने फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के जेसन तेह जियां हेंग को आसान मुकाबले में 21-6, 21-7 से हराया। फाइनल मुकाबले

में लक्ष्य के सामने जेसन का खेल बेहद साधारण रहा। पूरे मैच में जेसन एक बार भी लक्ष्य के सामने कड़ी चुनौती पेश नहीं कर सके। लक्ष्य ने दोनों गेम आसानी से जीत कर यह खिताब अपने नाम किया।

- **पी.वी. सिंधु ने तीसरी बार जीता है सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट।**
- **सिंधु ने इससे पहले वर्ष 2022 और 2017 में भी यह टूर्नामेंट जीता था।**
- **सिंधु के अलावा साइना नेहवाल ने भी तीन बार जीता है यह खिताब।**

पुरुष जूनियर हॉकी एशिया कप

भारत पांचवीं बार बना चैम्पियन

मस्कट, भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने लगातार तीसरी बार और कुल पांच बार यह टूर्नामेंट जीता है। मैच के हीरो अराइजीत सिंह हुंडल रहे, जिन्होंने मैच में चार बेहतरीन गोल दागे।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन पहली सफलता पाकिस्तान को मिली। पाकिस्तान के कप्तान हन्नान शाहिद ने मैच के तीसरे मिनट में ही शानदार मैदानी गोल दागा। पाकिस्तान की यह बढ़त ज्यादा देर नहीं

- **अराइजीत सिंह चुने गए टूर्नामेंट के बेस्ट प्लेयर।**
- **भारत ने पांचवीं बार जीता है पुरुष जूनियर एशिया कप।**
- **भारत ने इससे पहले वर्ष 2004, 2008, 2015 और 2023 में भी यह खिताब जीता था।**
- **पाकिस्तान ने तीन तथा दक्षिण कोरिया और मलेशिया ने एक-एक बार जीता है यह टूर्नामेंट।**

रही। इसके अगले ही मिनट अराइजीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत की वापसी कराई। इसके बाद अराइजीत ने 18वें और दिलराज सिंह ने 19वें मिनट में गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। मैच के तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान के सुफियान मोहम्मद खान ने दो गोल (30वें मिनट और 39वें मिनट) कर पाकिस्तान को मैच में बनाए रखा।

मैच के चौथे और अंतिम क्वार्टर में अराइजीत सिंह ने एक बार फिर अपनी हॉकी स्टिक का कमाल दिखाया। अराइजीत सिंह ने 47वें और 54वें मिनट में बेहतरीन गोल कर भारत को 5-4 की बढ़त दिलाई जो अंत तक कायम रही। भारत ने इसी स्कोर के साथ मैच और खिताब दोनों अपने नाम किए।

नोवाक जोकोविच ने ब्रिटेन के एंडी मरे को बनाया अपना कोच

लंदन, सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी और ब्रिटेन के अनुभवी खिलाड़ी एंडी मरे को वर्ष 2025 के शुरुआती सत्र के लिए अपना कोच नियुक्त किया है। जोकोविच ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि पूर्व टेनिस स्टार एंडी मरे अब से उनके कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे।

जोकोविच ने कहा कि हम बचपन से ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलते आ रहे हैं। हमारे खेल में कुछ शानदार लड़ाइयां हुई हैं, अब समय आ गया है कि मैं सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक मेरे पक्ष में कदम रखे। जोकोविच और मरे कई वर्षों तक महान खिलाड़ी रोजर फेडरर और राफेल नडाल के साथ टेनिस के फैब-4 का हिस्सा रहे हैं। जोकोविच और मरे के बीच 36 एटीपी मुकाबले खेले गए हैं, इनमें से जोकोविच ने 25 मुकाबले जीते हैं, वहीं 11 मुकाबलों में मरे विजेता बने।

- **नोवाक जोकोविच के नाम पुरुष टेनिस में सबसे ज्यादा (24) ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का रिकॉर्ड।**
- **एंडी मरे ने 3 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते।**
- **मरे ओलंपिक खेलों में दो बार स्वर्ण पदक भी जीत चुके।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग का सदस्य बना भारत

भारत वर्ष 2025-2026 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग के सदस्य के रूप में फिर से चुना गया है। भारत 2023-2024 सत्र (वर्तमान सत्र) के लिए भी इस आयोग का सदस्य है। भारत का कार्यकाल 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाला था, लेकिन अब यह कार्यकाल दो वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी। भारत के स्थायी मिशन ने बताया कि संस्थापक सदस्य और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में भारत वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में काम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आयोग में 31 सदस्य देश होते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद और आर्थिक एवं सामाजिक परिषद से चुने जाते हैं। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में शीर्ष वित्तीय योगदान देने वाले देश और शीर्ष सैन्य योगदान देने वाले देश भी इस आयोग के सदस्य हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में वर्दीधारी कर्मियों के रूप में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।

भारत-ब्रिटेन में युद्धपोतों की इलेक्ट्रिक प्रणाली पर करार

भारत और ब्रिटेन ने सामरिक क्षेत्र में व्यापक सहयोग के उद्देश्य के अनुरूप भविष्य के युद्धपोतों में उपयोग की जाने वाली इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणालियों की सह-डिजाइन और सह-उत्पादन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय के बयान अनुसार ब्रिटेन में दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों द्वारा प्रस्तावित योजना के आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। यह भविष्य के नौसैनिक जहाजों के लिए इलेक्ट्रिक प्रणोदन क्षमता के सह-डिजाइन, सह-निर्माण और सह-उत्पादन में सहयोग को लेकर एक व्यापक ढ़ांचे के रूप में काम करेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय पक्ष की ओर से संयुक्त सचिव (नौसेना प्रणाली) राजीव प्रकाश ने और ब्रिटेन की ओर से ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय में जहाज संचालन एवं क्षमता एकीकरण के निदेशक रियर एडमिरल स्टीव मैकार्थी ने आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

चीन में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार

चीन में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार मिला है। यह स्वर्ण भंडार चीन के हुनान प्रांत के मध्य में मिला है, जिसमें लगभग एक हजार मीट्रिक टन उच्च गुणवत्ता वाले स्वर्ण अयस्क हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बताया जा रहा है। इस स्वर्ण भंडार की कीमत लगभग 83 अरब डॉलर (लगभग सात लाख करोड़ रूपये) आंकी गई है। भू

वैज्ञानिकों ने इस खदान की दो किलोमीटर की गहराई पर सोने की 40 शिराओं की पहचान की। कई ड्रिल के बाद चट्टानों की कोर में सोना पाया गया है। इस खदान की 3डी मॉडलिंग से पता चला है कि खदान की गहराई में तीन किलोमीटर तक और स्वर्ण अयस्क हो सकता है। हुनान प्रांत की यह स्वर्ण खदान दक्षिण अफ्रीका की सबसे बड़ी साउथ डीप खदान से भी बड़ी है। साउथ डीप खदान में 900 मीट्रिक टन स्वर्ण भंडार है।

प्रधानमंत्री ने चंडीगढ़ में तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया

नए कानून "जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए" की भावना को मजबूत करते हैं, जो लोकतंत्र की नींव है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ में परिवर्तनकारी तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दर्शन भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के पूरे स्वरूप का आधार है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की भावना से प्रेरित भारतीय न्याय संहिता का लागू होना एक शानदार क्षण है, क्योंकि राष्ट्र विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ने के महत्वपूर्ण मोड़ पर है और साथ ही भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न भी मना रहा है। देश की नई न्याय संहिता बनाने की प्रक्रिया व्यापक रही है। इसमें देश के कई महान संविधान विशेषज्ञों और कानूनी विशेषज्ञों की कड़ी मेहनत है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने जनवरी 2020 में इसके लिए सुझाव मांगे थे। देश के कई उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के समर्थन के साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय के कई मुख्य न्यायाधीशों के सुझाव भी मिले थे।

चुनौतियों पर गहन मंथन हुआ

प्रधानमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय, 16 उच्च न्यायालयों, न्यायिक अकादमियों, विधि संस्थानों, नागरिक समाज संगठनों और कई बुद्धिजीवियों सहित कई हितधारक बहस और चर्चा में शामिल थे और उन्होंने नई संहिताओं के लिए अपने सुझाव और विचार देने के लिए वर्षों के अपने व्यापक अनुभव का इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के सात दशकों में न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों पर गहन मंथन हुआ और साथ ही प्रत्येक कानून के व्यावहारिक पहलू पर भी गौर किया गया। उन्होंने कहा कि न्याय संहिता के भविष्य के पहलू पर भी काम किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग से बनी यह भारतीय न्याय संहिता भारत की न्यायिक यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी।

औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आना चाहिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अब औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की शक्ति का उपयोग राष्ट्र निर्माण में किया जाना चाहिए,

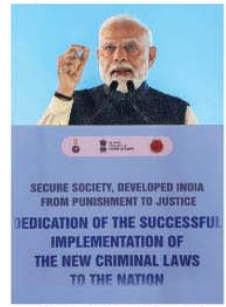

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ में तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम संबंधी कार्यक्रम को संबोधित किया

जिसके लिए राष्ट्रीय सोच की आवश्यकता है। उन्होंने याद दिलाया कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान उन्होंने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया था।

सीआरपीसी की पहली संरचना अस्तित्व में आई

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता-पूर्व के कालखंड में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए आपराधिक कानूनों को उत्पीड़न और शोषण के हथियार के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि 1857 में देश के पहले बड़े स्वतंत्रता संग्राम के परिणामस्वरूप 1860 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) लागू की गई थी। कुछ वर्षों बाद भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किया गया और फिर सीआरपीसी की पहली संरचना अस्तित्व में आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन कानूनों की अवधारणा के साथ-साथ इसका उद्देश्य भारतीयों को दंडित करना और उन्हें गुलाम बनाना था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता के दशकों बाद भी हमारे कानून उसी दंड संहिता और दंडात्मक मानसिकता के इर्द-गिर्द घूमते हैं।

बाइडेन ने भारत के साथ रक्षा उपकरणों की आपूर्ति सौदे को दी मंजूरी

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से दो माह पहले भारत के साथ अहम रक्षा सौदे को मंजूरी प्रदान की है। बाइडेन ने भारत को अमेरिकी कंपनियों से रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के 1.17 मिलियन डॉलर के रक्षा सौदे को स्वीकृति दी। इस मंजूरी के साथ भारत को अमेरिकी कंपनियों से एमएच-60 आर मल्टी मिशन हेलीकॉप्टर के अहम उपकरण आसानी से मिल सकेंगे।

इस रक्षा सौदे के तहत अमेरिकी कंपनियां भारत को 30 मल्टीफंक्शन इंफोर्मेशन डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ज्वाइंट टैक्टिकल रेडियो सिस्टम भी प्रदान करेंगी। साथ ही भारत को उन्नत डाटा ट्रांसफर सिस्टम, बाहरी ईंधन टैंक, फॉरवर्ड लुकिंग इंफ्रारेड सिस्टम, ऑपरेटर मशीन इंटरफेस और अतिरिक्त कंटेनर आदि मिलेंगे। इसके अलावा अमेरिकी कंपनियां इन उपकरणों की डिजाइन, निर्माण और परीक्षण में भी भारत की मदद करेंगी।

युद्ध विराम समझौता करने को तैयार हुआ युक्रेन

रूस के साथ पिछले तीन वर्षों से जारी भीषण युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के साथ युद्धविराम समझौता करने को सहमत हो गए हैं। जेलेंस्की ने अमेरिका की अगुवाई वाले सैन्य संगठन नाटो से कहा है कि वह युक्रेन के बचे हुए इलाके को अपनी सुरक्षा में ले, तो यूक्रेन रूस द्वारा कब्जाई अपनी जमीन छोड़ने को तैयार है। इस युद्ध में यूक्रेन को काफी जान-माल का नुकसान झेलना पड़ा है।

ब्रिटिश मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि अगर नाटो उन्हें यूक्रेन के कब्जे वाले इलाके की सुरक्षा का आश्वासन दे तो वे रूस के साथ ऐसे अस्थाई युद्धविराम पर हामी भर सकते हैं, जिसमें रूस कब्जे वाले यूक्रेनी इलाकों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि रूसी कब्जे वाले इलाकों को वापस पाने के लिए वह युद्धविराम के बाद कूटनीतिक उपायों से प्रयास करते रहेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि यह युद्ध यूक्रेन के लोगों की स्वतंत्रता के लिए है, जमीन के लिए नहीं। जमीन बेहद अहम है और हमारी पहचान का हिस्सा है, लेकिन जमीन से ज्यादा अहम हैं यूक्रेन के लोग।

यूक्रेन में हथियारों की भारी कमी

जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध में यूक्रेन अब बैकफुट पर है और रूसी सेना लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पास युद्ध लड़ने के लिए हथियारों की भारी कमी है। जेलेंस्की ने नाटो से कहा कि वह यूक्रेन के बचे हुए इलाकों को अपने नियंत्रण में ले, अन्यथा रूस उन पर कब्जा कर लेगा।

भारतीय नौसेना ने किया परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

- के-4 बैलिस्टिक मिसाइल को डीआरडीओ ने किया है विकसित।
- यह मिसाइल 3500 किलोमीटर तक परमाणु हमला करने में है सक्षम।
- इस मिसाइल परीक्षण के बाद भारत अब समुद्र के अंदर से भी कर सकता है परमाणु हमला।

भारतीय नौसेना ने परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात से बैलिस्टिक मिसाइल के-4 का सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल परमाणु क्षमता से लैस है और इसकी रेंज 3500 किलोमीटर तक है। रक्षा मंत्रालय ने इस मिसाइल परीक्षण की जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षण के परिणामों का विश्लेषण किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण विशाखापट्टनम के तट पर किया गया है। यह मिसाइल 17 टन वजनी और 39 फीट लंबी है। यह मिसाइल ढाई हजार किलोग्राम तक स्ट्रैटेजिक परमाणु हथियार लेकर उड़ान भर सकती है। भारतीय नौसेना अब इस मिसाइल प्रणाली के और परीक्षण करने की योजना बना रही है।

यह किसी पनडुब्बी से लॉन्च की गई बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण है। इसका पिछले कुछ वर्षों में पनडुब्बी प्लेटफॉर्म से कम से कम पांच बार परीक्षण किया गया था। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मिसाइल के परीक्षण से पहले व्यापक परीक्षण किए थे।

लगातार बढ़ रही है नौसेना की ताकत

भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा हो रहा है। नौसेना की ताकत बढ़ाने के प्रयासों के तहत वर्तमान में देश में 62 जहाजों और एक पनडुब्बी का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने बल में विशिष्ट तकनीकों को शामिल करने के प्रयासों को दोगुना कर दिया है। राफेल-एम (राफेल लड़ाकू जहाज का नौसेना वर्जन) और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद अगले कुछ महीनों में अंतिम रूप ले सकती है।

दक्षिण कोरिया में भारी विरोध के बाद हटाया गया मार्शल लॉ

दक्षिण कोरिया में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति युन सुक योल ने विपक्षी दलों की गतिविधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और संवैधानिक व्यवस्था के लिए खतरा बताते हुए देश में आपातकालीन मार्शल लॉ लागू किया था। राष्ट्रपति के इस निर्णय का सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों ने एक सुर में विरोध किया। 300 सदस्य वाली संसद में 190 सदस्यों ने मार्शल लॉ को हटाने का प्रस्ताव पारित किया, जिसके बाद राष्ट्रपति योल ने मार्शल लॉ हटाने की घोषणा की।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।